

दशमूलयवाम्नासादियला

शालाय

शुद्धिकान्द्रिय०॥यकेकालनाकावययस

शटीय

लकमतियिवाव।

लयनानियवै०॥

निकायानद्वयलामितान्।सुसंवाद्यंततसिद्धदीयनकरुवातनु०।श्रीरुद्र०शुलीसुल्यध्यासकालेतिर्तयर्।दीर्घाद्वारिरुतानीद्वय०।समृतायमी॥कुल्लुद्वय
त०॥मागदीवृषक०वर्तस्यद्वयुलीरुवि।उल्लेख
लीनामससुझाद्वयना०।लाकादि०।कुल्लुधुम
तिलमझावर्तनामसर्वद्वयविमावर्त०॥अझावर्त
दिहेल॥लाकावससमंतलेयसुमसुवसकुली।अध्वगन्धनि॥कावकादीकुल्लुद्वयवन्दन०।समृद्धावलिनीवासासताद्वयवर्त०।समशसिद्धलाकादिदीनामातेलमसु
नादितासर्वद्वयकथात्मादध्यासायस्माववातनु०।यकवाक्यरुतद्वयगर्हिनीनाय०।सम॥लाकादिहेली॥स्वडिवकाद्वयमडि०।लाकासुव्यविधोय०।सकावस
धितेलेमसुझाद्वयरुशीतनु०।स्वडिवकादिहेली॥वलामध्वकमडि०।याययययकवन्दन०।समडरुतद्वयवर्त०।गोवितात्यलशायिस्वाकावयवर्त०।सिद्धदी

थ
लि

गुठनसह्याजिनो यदुर्ममयी गुतिकादिदायघीयकीर्तिना दलात्कः सुवसः ४ यथादि कुलस्य समादि का उयत्मानमता सारं काथे वा कुटजस्य वा ययसा काथमृक्षानीदि
सक्तिरुदसादया कावयिरेततयीतं रुन्नामधूलमवय ॥ काथलकाथमृक्षानाविः । निमिगुले उले शयीत्वा इय्यावसयलु रुन्नाममरुवडी कशो वा उमृनि सन्नव
कैदादिमस्यदलमर्जुना रुवा काथनययविष्मालितानृत्ता रुतिसाममथ ॥ कलिआतिविद्यादि दुयत्मा सोवसेलावया ॥ लसुसु विवधययदीयनयायनी ॥ कलिआ
रुप ॥ निनामवयः ॥ लालं लेद्यनाद्येथ कथितं न वृक्षमवकायिसकारं यीवतुत ॥ कावनागवयो क शीकालद्वयमुसाधितं सयि ररुं यिवद्यायिपूला
हीसावसानय ॥ लुली कावीवतकल्कावसिरेदवः मियात ॥ नाजवीवत ॥ इति आमातिसावस्य ॥ ॥ ज वलवकयियं गुके मधुर्कदादिमाह्वाना जवा
यायिस्त्रायिवद्यवाद्यं दगितीयिव ॥ सद्योतीसावा नवादि रुक्तियद्वानसं यशसलाध्वानेका वि त्वमुक्षुमास्त्रिकलिद्रका यिवत्मादिवतकुलय
कातीसाव रुगलशयद्रा समझामधुर्क विल्वजसुसलादवश सकोद मगदकरी ॥ यकातीसावला कथा मृक्षकाथं समादि का समझा धनकीयुषीम
जिह्वालाधमवय ॥ जूयवाधनकीविल्लंभाला लविदलाधका जमास्त्रिमथलाधके विल्वमथ यियद्रवा मधुर्क ॥ अवरके दीर्घवृत्तलववय वत्ताव ननयागा ४ स्यः
यकातीसावना १ ना १ उकाय उयथा ४ ४ स्य ४ सकोदतन्दलायना । दीर्घवृत्तं सयस्त्रा दमहायधसमधिनी यीतं तुलनायेन यकातीसावना १ नी ॥ यत्मा जाडी इवा

वैकुण्ठे लजलवृत्तं विल्लातिसाव सकुडयदीयनयायनी ॥ **विमिथिल्लातिसावये ॥** ॥ यिरुहृक्तियदार्थे इद्या नान्धतियेलिका तकाय जायतरी सारकातीसाव मुख्यो
॥ **यकातिसावनिदानी ॥** ॥ अरुवधू कियाकार्यावक यिरुनिवृत्तं ॥ हृगइग्गवादक कीव गनावात्यलवालके शयया वकातिसाव घीयस्ययधी वसायुर्ने १ कथायना
मृनायातवयादादिमव सका १ सथा उयदतीसारं वकडं वु विवावली ॥ कुटजातिविद्यामृक्षं बालकं लाधवदनी ॥ आतकीदातिसंया १ काथकोदयुर्नेयिव १ दारिकसं
यय मया १ गसइसुय ॥ कुटजाद्रामदनामसर्वा शीसावला १ नी ॥ कुटजादि ॥ वसकसातिविद्या १ सविल्वसादीयामृक्षध्वकत १ कथायश १ सामसस
लसहलालितययिवरुद्र विरुतातिसाव ॥ वत्स कादि ॥ काथवातिविद्यामृक्षविल्व १ स मझाधनकिलाधं विखेदीयनयायनी रुन्नायाय
कयिहृर्मविद्व सातियदनी ॥ स ॥ लालितमहीसा रंसहर्वाथविद्वरी ॥ वृहद्विवादि ॥ विल्वहृग १ यय १ सिद्धं लितामायवसाविती कलिद्रवृत्तं सयुर्क
वकातीसावनासनी ॥ काथवातिविद्यामृक्षविल्वनागवधानाका यिवत्मादिवध्वर्ष १ लकायमयायनी ॥ ररुहृत्तातीसारं सद्धर्वाथविद्वरी ॥ खयेदीवयादि ॥ गुठनरु
यदिल्लं वकातीसावनासनी ॥ आमधूलविवध्वर्ष कुदिनामविना १ नी ॥ वसाडं नसातिविद्यं कुटजस्यरुलवदी ॥ आतकीध्वर्ष १ वरके यिवरुल्लवाविष्म ॥ इडलायुर्कनुदति
वकातीसावमुखनी ॥ वदवीमूलकल्कुतिलकल्कुतयेव ॥ मधुर्कयुर्तयीतं वकातीसावना १ नी ॥ उस्वाममलकीनालुयपूयानथ कुटय १ सग १ सवसेतयामजा कीव

यकल्यता सनिकषयं तावत्ता कं कवर्तं दितमुयत ॥ कयिष्टवित्तवाङ्मेवीककुदातिमसाधितानागुरुलीयावनायया सवातय केकालकी ॥ यके मूली बलावित्तवा-
काल्यलवित्तवा ॥ वाताती साविल्लादया तं कनाय तमववा ॥ यिष्टा वाताती सावायया ॥ गवैद्यनया ॥ दितशा ॥ रुही कसा गभी ॥ गुर्वया ॥ धन्य रुवीतकी ॥ यक्ताम्वनायिवत्ताम-
ताती सावसाकय ॥ धनित्वाताती सावविदित्ता ॥ ॥ यिष्टा लित्तं रुविर्ता ॥ दितं वातसामू ॥ कुरुयाकाययर्त्त ॥ यिष्टाती सावनिदाना ॥ ॥ आमावयमती सावैर्योर्त्तिलैद्य-
थ जय ॥ लीद्यतायथा सावयवा गुमधुयर्त्तनै ॥ ॥ तं वन्दनमसावयवा ॥ लादिवा नागयैशायया सासा ॥ ॥ मय्यायलीया ॥ हिलीयिथ ॥ ॥ धन्यादीया ॥
यु तं तायेरुष्टादाताती साविल्ला नतात्यामवसया ॥ ॥ साविसिद्धमावसावयवा ॥ वित्तवा ॥ कयवर्त्तादवाले ॥ ॥ काविविद्यायर्त्त ॥ कयाथा ॥ रुवीती सावा सावयिर्त्त-
समरुवी ॥ वसा ॥ ऊने सावित्तिविद्यं कुरु ॥ दित्ता ॥ रुलेखय ॥ ॥ धनकी ॥ ॥ रुवय ॥ केकायय ॥ तलुला ॥ म्वनी ॥ मादिक ॥ ॥ नयर्त्ता ॥ रुना ॥ लित्ताती सावमूत्तनी ॥ मधु ॥ सैकायय-
ह्यर्त्ति ॥ ॥ ली ॥ वासु ॥ निवृत्तय ॥ ॥ मधु ॥ कं कुरु ॥ ली ॥ धन ॥ दितम ॥ रुलेखय ॥ ॥ यी ॥ ली ॥ साव ॥ मधु ॥ कं ॥ वा ॥ य ॥ रु ॥ ली ॥ म ॥ स ॥ ॥ ध ॥ म ॥ रु ॥ क ॥ य ॥ य ॥ वित्त ॥ सी ॥ व ॥ र्त्त ॥ लै ॥ वि ॥ ॥ स ॥ ॥ रु ॥ द ॥ द ॥ द ॥ द ॥ म ॥ ॥
वकल्लक ॥ रुलेखय ॥ ॥ यी ॥ तं ॥ यि ॥ रु ॥ ती ॥ सा ॥ व ॥ ध ॥ ली ॥ वा ॥ सु ॥ नि ॥ य ॥ रु ॥ ति ॥ ॥ स ॥ ॥ रु ॥ द ॥ सा ॥ ति ॥ वि ॥ द्या ॥ यि ॥ रु ॥ व ॥ ल ॥ क ॥ रु ॥ ले ॥ ख ॥ य ॥ ॥ त ॥ लु ॥ ला ॥ द ॥ क ॥ रु ॥ य ॥ रु ॥ द ॥ य ॥ या ॥ यि ॥ रु ॥ ती ॥ सा ॥ व ॥ न ॥ ॥ क ॥ रु ॥ ल ॥ सा ॥ ति ॥ वि ॥ द्या ॥
रु ॥ द ॥ रु ॥ ल ॥ क ॥ रु ॥ ना ॥ ग ॥ रा ॥ वि ॥ ॥ ॥ तं ॥ यि ॥ रु ॥ ती ॥ सा ॥ व ॥ ध ॥ य ॥ रु ॥ द ॥ य ॥ म ॥ ध ॥ सै ॥ य ॥ र्त्त ॥ ॥ य ॥ ल ॥ व ॥ ल ॥ क ॥ वी ॥ द ॥ ना ॥ नि ॥ ध ॥ य ॥ यि ॥ रु ॥ ती ॥ यि ॥ व ॥ ॥ य ॥ ॥ व ॥ सा ॥ म ॥ रु ॥ य ॥ रु ॥ ॥ स ॥ यि ॥ रु ॥ द ॥ ॥ वा ॥ म ॥ र्त्त ॥ ॥ ॥ ध ॥ न ॥ क ॥ ल ॥ सी ॥ सि ॥ रु ॥ य

ना३

[illegible]

५
के

मधुलिताय कंयीतारुण्यद्वयमयी॥ न्याय्यादिपुटयाकशापुटयाकस्याकायैवदिवावकवर्षेनारुयकुत्वायलस्यास्यानमिष्टैविकित्सकशा॥ ऊटजलकुताक
(थाघनीरुतःसुसारुनः) लाहितातिविश्वयुक्तं सद्योतीसारनूद्वय॥ ऊटजलरुतावकाऊटजयलगतं जलडागविद्यावातारुयमुदियवलाव॥ जावसाईवम
गतीस्यन्वेवाकविउकावकायुन्ययवधतकी॥ जावपुष्पसमं वृत्तामधकं विलयतताततामारुयदधवथाऊटीतसमावृती॥ इतिवावमतीसारजयदतनर्गसयी॥ ३
ऊटजलरु॥ गतं ऊटजमलस्यकुर्षतायामेलेय व० काथवाकाव० यलयसिद्धरुत्वमागतंसा वडलेयवकारविउसंभवयियली॥ धतकीवरे
वाजाजीवृक्षरुवायलदयी॥ लिङ्ग० वदवमाकु रुत० शीतं ऊटसीयुतीयकायकेमतीसारनाना वलूसयवनी॥ इतिवसुदलीवागऊयधुवयुवादि
को॥ ऊटजलरु॥ ऊटलामथाडागिनिमलिका॥ योःसद्वयकावसमादकीतातसिन्धुतयः लसीमिगानिभूषणनदद्यासरुसात्तुलनाया०
समझातिविद्यासमंसाविल्यैयव्यानिवृधनकीना॥ यद्विद्यारुथावियवततावदाहीयलेयास वमुयाव० यातवसाकालविमलनमलेनवाकाकऊलनवायि
निदुनिसर्ववतिसारमृगं कृष्णसिर्गयीतंकलाहिरुम्बायायैरुनाधिविधैवकंयिरुतथा॥ १॥ सिम० लानितानि॥ अमृद्वयवसमंरुनिदुनिवधुऊटजास
कायै॥ ऊटसक॥ सदाधोका० का० नीमूलवक् ऊटजस्यव॥ लालीवसनिर्गसधतकीलावकाठिमी॥ यिहोकासमिगानुक्तावटकातपुलामुनातनेवमधुयुका

कैवीधोडमथवायायिमथत० नवनीतकेरुकातकवानुयितवपशा॥ अल्यल्ययऊ॥ नकंसंभूलमयवधत॥ वदावायविर्द्वयिहावसिमुदाहित॥ १॥ लालम
लवाडवृलानियुटयाकीकतानि॥ सुरुधोदखलसीस्यकगुहीया० ययसिष्टता॥ गृहीत्वावधुलेतस्यगियलेष्टतनेलया॥ युकंमधकल्हनमाकिकेलजियले
नव॥ लिङ्ग० वदवमाकु रुत० शीतं ऊटसीयुतीयकायकेमतीसारनाना वलूसयवनी॥ इतिवसुदलीवागऊयधुवयुवादि
सितायलाहमधयादयुक्तं वकातीसारनमय वदीपू॥ कीवरेकृष्टी॥ रुतवद्विद्वत्तनयसा यिलनयवात॥ सिन्धयलनगीतनयदालमध
कामुना॥ वकातीसोपिलमाधय० कोडसकेयी रुतवकातनसकयुसंरुयानरुजन॥ सिन्धयम यिकाभासे॥ गवसामुदुलरुथा॥ रुतनिसर०
संरुवाडवीष्टतमुरुमे॥ १॥ सिन्धयमोससिन्धेस तेललवनाचिर्ग॥ १॥ रुतवाकडस्यदथारुनः यन्नत॥ रुतवम॥ गवसामुदुलरुथा॥ रुतनिसर०
॥ इतिवकातीसार॥ ॥ रुतलेसाईसकरु॥ ल्यानाविधुंजीतंदष्टासामनुवा॥ लोववावविदुलासय० वावसार्यतकरु॥ १॥ ल्यातीसारनियनी॥ ॥ ल्यातीसारन
थमेरुतलेधनयावनी॥ याऊयवातीसारन्याय॥ थाकादीयनाग॥ १॥ यतिकावायविल्यामिया० दाहिमदिदुलिश्याऊय० सुरुतयुवे० ल्यातीसारयीति॥ १॥ ग
०॥ कगुरुयाहीकवायैस० र्गतीयि० ॥ सामा० ल्याति० वधुदीयनैयावनीयवी॥ यथासोवदुलारुसु० ववातिविद्याववा॥ आमातीसारकरुडीयीतमुदामुनाऊय०

[illegible][illegible]

ल
लि

जनालमाडकमाउलुङ्गिहिरणी।पुलुगुत्यादशानाहकाणामावतायह॥यकेसुलुङ्गुत॥विध्ययधसकलनदलसुलुङ्गुलुङ्गुत॥अवाकलयरागागानुजल
 डालवियाययअसुतयसुवियतयगुलीहवकाधरा॥नागरकल्सिद्धयापुधयथुदीरहा॥पुष्टिदुत॥नागरविद्यलीमूलीविहकारुसिधियलि।सुडसुयि
 यलिधानायाअविलयमानिका।बाहुवीखरकुसयनसससथिक्कलेवतेविद्याययअवेउकुलानदधालिवायनमतेदुतेकरुवातन॥अभीसिगुलीदीवमउ
 कर्कयवाहिकी।मुउरु॥तिमानाहसुतमेत॥दुयारुति॥वाझवीदुत॥**वातगुली**॥॥आः॥सावयंरुनिर्जलमयमिदानलीसाजीनील
 योतारुयोतारु॥सायंतदव।यथासाझावहक॥लुदारावविहयादिह॥यिरुगुलीनिदानी॥॥वसाऊनेयतिविद्याकसकस्यरुलवव।नागवा
 धातकीधेवसकीडत॥पुलासुना।यिरुगुली॥आवालोवकयिरुतिसावन॥याअवत्सकवीउ॥निविहकविधरुमड।यिवविहोथपु॥निकुला
 वाधनकापि॥यिरुगुलीविहगानीशुली॥पुलनुद्विह॥नागरातिविद्यामरुधातकीस्वसाऊनीवत्सकलेरुलेविल्याअकदकप्रहिली॥यिवत्समाधतंरुपुसकीडत
 पुलासुना॥अभीसिगुउपुलवयिरुनुसयवाहिका॥नागरादुर्ष॥रुनिम्वाकदुद्यामसुककुडयवासमानाहोविहकावत्सकलेगगानुथाउसदुर्षयअमुगुलीताम्
 नाययीगुलीदीयगुलानु॥कामलाहययपुलिमाहावृत्तिसावन॥रुनिम्वादुर्ष॥याअविल्यानलथावउम्वादिमधातकी॥कदकातिविद्यामरुदातीनिकुलवत्सकेश

झाऊडिसेधवी।नकोकस्ययलीवेकहृदययलीतथातेलस्यवयलाहोमुउयकेअदव॥यसु॥सुक्तिसमकलुवसनामलकस्यउ।यदादावीयलयनुतुवमवताययअ
 उडस्यवामलकवदववायकत्यथअयथावलनुकायस्यरुदयअगुउनरुअननविधिनाथवयुयककेदिनदिना।असाध्यागुलीथागानकसुनाभीरुगन्दानाह
 वमानारुडडागगुलीदरविसुविकान।कामलायापुयागकेयमरावायिविहति।वाताध्यावीसय्य॥निर्तसरुलीमकी।यिरुडंसनिलानेवोनेगर्वयायिविनासयअयाधि
 कला॥वय॥दी॥ली॥के॥अनवातिवाहयकेवल॥केवय॥सुयनमेवव।मुद्रकल्यानकानामवन्धा॥या॥युदुदयय॥कुया॥कल्यानमुउ॥आलिया
 तायीकवदीयकासाध॥नलेमुदालिताविधाय॥गुयसुतयविनिथार्यतकुनिधयावागमरुहा॥स॥लारु॥ते॥यका॥समतावलाहके॥कता
 वाधियलानिवाहो।सथि॥यथ॥तेलयलेयलानि॥वत्सविकदययव॥सातकस्यवासुस्यवउ॥य॥लानिकयके॥कयके॥यथ॥गवधनि।यावाड
 मादायविकानलानीमूलीयदध्यादथयियलीनी।सिन्धुयसुर्वसविडिउपुर्ष॥तकनरुनीगुलीविकाना।अभीसिगुल्यायिनामसका॥रुवकेदीयिकयकातिवदि
 ॥लारुसावकल्॥यलाहवपुलीयाकुद्वियलीउडजवव।क॥वाउस्यमूलानिकयनुसधेमकत॥सकृद्यसनि॥य॥यासुत॥तसिनुद्वग
 दीयवउयली।याली॥वसातदुय॥यवदावीयलयनी।विल्यातिविद्यापुर्ष॥मसुककुडयवस्यवायय॥काडि॥कास्य

सूत्रमसीयदयानाजीयते लनविमिश्रतयिदा। सद्यामासंगवामकेधर्मकवाविश्रुतिं। वकतेलसमायुक्तं हति नाडीविधाकिता। मयथा ममदी वृग्नी कदमे
 वियाचितं। नाडीबलकिंवाहृतं डयल्लकसंगमात॥ ॥ कव्वकस्यस्यवसकदतेलवियावथ॥ सिन्धुकलितं नाडीदृष्टवलविसर्ग
 वतेली॥ ॥ कवावकवसतेल्यवसिन्धु
 दकीनीलीमलरुलेतथा। मयुवतुगुलेसि
 गुग्गुलुहिरुलावाथ॥ समाजगद्यथादि
 गुल्मकेगुठडादनात्यदिनाइनगानि
 गद्वर्लरुहर्लनाडीमेमोहितमयि। कावसुगुलतीद्विद्यालसकुलकदावना। यव्यगतिमन्त्रिव्यकावसुगान
 विनिहय॥ सूत्रस्यानसमानीयगठवर्धसमारुव॥ ततः काववलेवीखसुगमन्यवलय॥ कावाकमिति

वलानक॥ कधीवतेली॥
 सद्यवलकमकार्य॥
 तः। नाडीदृष्ट
 हितातु

गुडसुवलरुवयरी॥ कूयहवुरुदकीमागधास्यन्धर्ममधु॥ वजनीहिरुलाउरुहिरुस्यद्वल॥ धनी॥ वसाधर्नहविद्वमजिह्वा निम्वयलुवा॥ हवुरुडावतीकनीक
 ल्कानाडीवलायरा॥ कातीमतीलाङ्गुलीका॥ मादकीहवुलिला॥ ॥ कूयलनाका॥ मीवग्ने॥ धन॥ यानामधुतेलयुताविठिङ्गसारं हिरुलामागधिकाकलाधतीरा
 शकिकिं कूयगन्धवयुमहानुकतनाडीबुलवायनारुवति॥ यकेतिकद्वर्तस्यमयुगुल्लुयवर्की॥ ॥ हिरुकाहवुताल्या॥ मलयूरुयमारक। सूधवयालाङ्गुली
 रुवितालसुवर्चिका। यातिमतीत्यसिद्धयतेलीध
 लतथा॥ हिस्यन्दनतेली॥ ॥ निष्कर्षकावसिन्धुध
 निष्कर्षकीलाङ्गुलीलवलागिरि॥ माउवृक्षाकव
 रिलीलवले॥ सिद्धरुगन्धवर्धसुनिलवसुङ्गतेली॥ युवाद्यतेली॥ ॥ गवाद्यतेलितं सयिजतिकाईमथयिवा। अवरुनाद्यतयथतद्वयरुगन्धव। हिरुला
 कानाडियकेकाड्याजिता। गुटिका॥ धगुला॥ रुगन्धवहरीहिता॥ नवकारिकगुगुली॥ ॥ नाइनववलेकुयादिवकलतथानका। ततः सुययवुठ
 युवावय॥ याध्यातवद्विडहिवजातुविजानता॥ अद्वलाङ्गुलककदकायालाङ्गुलकायिवा। रुवतारुदकावायिकाया॥ गतीथकायिवा। दायासर्म

द्यागन्धव। धन। यानयवसद्वलेकन
 गन्धवहरीयरी॥ निष्काद्यतेली॥ ॥ कनवीव
 ॥ ॥ युवाकदहनदकीवलेककववीवला

ॐ ॥ वटपुत्राहर्कनजम्बूयथा लाक्षरुविडावहितश्चलयः सर्वोयदंलघुपारुनार्थदूर्णवर्जितैविमलाङ्गनन ॥ गिरुलायाकवाथनरुद्रवाजवसनवा।
 वलमुकालनकार्यउयदंलघुपाम्मति ॥ ज्याजात्यधमावर्कसंम्याकानादलकुमात्राकर्तयकालनकार्यमदुयाकयुथाजय ॥ यटालनिम्बगिरुलाकिलाट
 कार्थयिवदाखदिनालनायीसमुत्तुलम्बागिरुलायुतवासर्वोयदंलघुपारुनार्थदूर्णवर्जितैविमलाङ्गनन ॥ नीलात्यलानिकुमूदयद्रसोगनिकानिव। उयदंलघुपारुनार्थदूर्णवर्जितैविमलाङ्गनन
 ययलस्यत ॥ ॥ वधुवदलवृत्तेनकाठिमव गथाधवागुठनतद्रुतलसंलयःयुगरुल नवा ॥ सोवीराखंणविकवेडुसुयुषीका
 लीसस्यधर्वालाधुवसाङ्गनेवायिरुवितालम नगिला। रुवणकलेधतथासमसंरुखरु लूथ ॥ तंरुल्लुकोदसंयुक्तंउयदंलघुपारु
 डिर्त ॥ ॥ वन्दादग्धकर्तुरुस्मरुवितालमन ४गिला। उयदंलघुपारुनार्थदूर्णवर्जितैविमलाङ्गनन ॥ यटालनिम्बगिरुलाकिलाट
 युतं। उयदंलघुपारुनार्थदूर्णवर्जितैविमलाङ्गनन ॥ ॥ तितीताङ्गनयकाखकाविदावतल्लिखेशलयनयुव्यायाधजलयिष्टेयुगस्यत ॥ ॥ वसाङ्गनगिरीधल
 यथावासासमागता। सकोडलयनयाकुसर्वोनन्दगदायदं ॥ ॥ राणुगिखरीजंमूर्तीरुडलियंयसयिष्टे। समनगिला। केमलाकेमधुनालमयव्यदंलम
 विपल ॥ ॥ जलधोतंययत्ननर्लिगा। लीनोणदूर्णय ॥ ॥ वागीकासीसचूर्णेनयुव्य ४ सुखवाङ्मया। कवविचस्यमूलनयविथकालिबापिला। असाध्यायिउ

वतालीसपुत्रकातिलनिकुम्भकमूर्तेः साधितंगतिरुच्यलुतेलैतद्रुलयुखयमङ्गनीजय ॥ खर्जिकाडीतेली ॥ ॥ स्यन्धवार्कमविचद्वरेन मार्कवनवजनीद्वयंसिद्धातेलमत
 रुचियलनिरुन्नाहल्लामयिनाजी ॥ सन्धवाडीतेली ॥ ॥ दारुद्रवधसनमूर्कनवकुल्लाययस्यारुवयविहितानिवलकनानि। तामादिलाययनयिरुकरुयकायाधा
 वाङ्गतिवसुरुयामिवकालगति ॥ नाजीविदाययुवानसिद्धल्लाययस्यलुयत्नसाध्या ॥ विदायनाजीवलनिदानं ॥ ॥ नर्ककथंविदुर्माग्नेमूदीवितलुस्यनान्य
 लल्यमविचलगतिंकराति। सारुनिलंमथितमं थमसुग्निमिर्णमावकवातिसरुसासचुजानित्यं ॥ नाजीवलनिदानं ॥ ॥ नाजीउल्लाययकेवारिदा
 येनियातल्लयविष्णुधामाग्नेवधर्वाकोदयुत युगरुदवातिला। लोधवाययय ॥ ॥ कुम्भी कखरुवकयित्ता। रुवनीयधीनालुगलाउवर्ग
 कुवाकवायविचलेली मूसाणवलीविय कु। सोगन्धिकीमाववसारुयुषीलाधानिदवाख लुधतकीवा। वतनगल्लयवरादिनाजीयारुवला
 वाधुयमाधुवेव ॥ कुम्भीकाडीतेली ॥ ॥ रुर्कडग्धाकावीरुवहिरुत्वाययुवय ॥ ॥ वसर्वगवीरुस्यनाजीरुन्नात्ययागया ॥ ॥ ॥ अयवधनिगलाकालादूर्णकोदसंयु
 गा। सुवदलिवल्लया। अल्लधनीगतिनालनी ॥ ॥ वल्लिकर्तमाकि युर्कनाजीयमूकलवलातमंवाइसवलादिहीतलुतेलीतल्लायमानंगतिमाधुरुकि ॥ ॥ जात्यार्कसं
 प्राककवर्जं दकीसोऽर्थसावद्वलयावसुकेषवहिरुताहंतिविचलनाजीमूककीययिष्टासरुविचकला। विहातकासास्त्रिवटपुत्रारुवलासंखिनिवीजमिष्टा। वसारुवि

मेधुनमातय। आयामवनसवदु। अरुका नमववा। रुग्रसन्धिमनाविदमरुनाजमनन। सुखयययवावकेसम्यक्स्थितमादिल॥ ० ॥ रुग्रयिकित्साधिकाव॥ ० ॥ य॥ ॥
 यमाममितियकमयकतहाजावावलयवृययमसावृहृ। अयनयविगतियविदायेतस्यरुनानियुर्विदितानिततयुय॥ तस्यातिमातुगमनाकृतिविद्यारुनाजीवयद्व
 रुतिननमताठनाडी। आयेसिरिरुवतिसायुथगकयसमृद्धिरुवतिलाल्यनिमिरुताया। तगानिलात्ययसुसुखीसगुलारुनान्विमधिकसुवतिदयास॥ तग
 निलार्थमयनार्थयुर्वमलयययगतिविदाये॥ रुलवयामाग्नेरुयसुयि॥ १॥ सस्य॥ १॥ सयवि
 खल्यकेसुली॥ ॥ हिंसारुडिडाकदकववाकेण॥ डिडाकावायिसविल्लमूली। सद्दयतेलविययडलस्य
 ककवीयविदाककुयार्तगवतिधिकमृकमरुसुवा
 दन्तीमजिष्ठकल्क॥ ययियुययवायकालनयायिहविडसामनिम्यायथाईकुलननित्य॥ ॥ यमागिरुगिरुलासुसिद्धरुविडयातिल्वकदककवा। यतंसुद्वयवलातयेननरुगाकृतिक्
 यगतायियस्या॥ ॥ यमाईयते॥ ॥ रुयाकरुद्वरुघनाडलयिक्लिमासुद्धासककुवजनीयवृद्धा॥ करुनाजीव॥ ॥ नाजीकलामयनारुयईकलकसिद्धार्थकसकविल्ल॥ मृदीकृता
 मयगतिमिदितानियानयसुमल्लयकावी॥ दद्याद्वलनिस्यतिलानिदन्तीसुवासि। योस्यधवसंययका। यकाललवायिकवईनिजाकयीत्सुवसा॥ यथाका॥ ॥ स्वर्जिकानलस्य॥

स्यादियादिका॥ वात॥ अरुवा॥ अयिल्लादङ्गतावृद्धी। युन्दगीकसविस्फाटयामावर्मदलकथा। सर्वस्याकावलीयुर्विदि कीदकसकाकनी। यलुगीकरयजिक्कमरु
 कृष्णानिसक॥ ॥ यसंगगासस्यलोनिष्ठासासरुताडना॥ कृष्णवपुः॥ ययनगारिष्यन्दमववा। आयसग्रीकवागन्धसंक्रामकनवान्न॥ कृष्णनिदान॥ ॥
 वातारुवयसयि॥ १॥ वमनी॥ अरुतल्लयवायिल्लातयविथकानिचकैयवकुलोकया॥ यतंसुद्वयवलातयेननरुगाकृतिक्
 व्यात्मक॥ १॥ उन्नयानथागा। ययुववाजलारि
 संसमितनिल। वसायनानियुथाग॥ १॥ यगर्क
 नान्वित॥ १॥ यकेकयाय॥ ॥ विषयनयथाकृत्वा
 सवकमद्वदुआदकारेवसमानियिष्टा। ककृदकुरुवाल्लय॥ कल्लेखगदायनागनी॥ १॥ ककृदीमूलरुविद्यावक्रवाविल्ला। नियातंमयत्वा॥ दङ्गागसमल्य॥ य
 ल्लनियिष्टावउवकुलस्यतकुलयलीन्यथकोकमया॥ १॥ तलाककृष्णनयसगाउनुद्वयदहनद्वद्वो। उगउकृष्णयवसोवीरकसर्वये॥ किमिष्टेयकि
 मिष्टेयकिमिष्टिदकमल्लकृष्णानानालय॥ यथाकवईसिद्धार्थनिगावल्गुजस्यधवे॥ १॥ विठिदुसदिते॥ यिष्टलयासुउलकृष्णजिह्वा॥ ॥ अलाकृष्टवि

उक्तवासा सुयिउकासं कृद्यवति साहृती। कल्कवृत्तं कयायाला कोडयूक पुयाव ७। कमयिरु विसर्थाक ४ युष्यवामूधया हित ४॥ ॥ वयाकस्यर्ण हान्नाय
सयथल्य दिनं यून ४॥ वलातेल नकाकलमधनाथाय नारुय ७॥ वसक्रिया विभक्त्या लखित न तथादक ॥ ॥ यथक लोदिसिद्धनते लंदय मनकरी। वक विड
धिवद्यायि क्रियाला लित ऊर्द्धद ॥ ययनत तथाया ७॥ तियाक यथाध ४१ अर्द्धद मान्साका वाविड ॥ अतिल कालक। यथाका यय ७० त रिषकैयौ युति क्रिया
॥ ॥ दाष्टी सयसयस्याङ्क गुरुधूमनिगाय ७॥ १॥ तलमस्य ऊर्द्धनय द्वा मड बागनिवाय ७॥ दा
४॥ लिला। दाष्टी रुविडाम सुत कोड समायु तायल यार्थ यय ऊर्द्धन विष्टु द्विवलययनी ॥ ॥
धनं यायल ॥ येव बीक वाकावयाय ७॥ ॥ व सा ऊर्द्धन सा रुयम कम दय लय मातुलनय ७
सर्वमन ऊर्द्धगर्ग ॥ ॥ सुकदा वचि किस्साधिकाव ४॥ ० ॥ विवाधीनान्नयानानि डवमिग्य गु पुलिय। रुऊता मागता कृदि वग ७॥ अन्नायति घृता। याया
ममति सताय मतिरुत्तानिध वला ॥ लाता कूलं घना हाया कम मूकानिध वना। दधर्मम रुया लना ऊर्द्धनीता म्पयायिना। अजीर्णसिना येव धर्मे कम दया वि
॥ नवान्नम धिमस्मादिति लवना मूनिध विना। माधमूलक यिष्टानि तिल क्री गु जलिना। दवायं यायि जीर्णन निडा म्पारुऊता दिवा। यिष्टा गु पुधर्षयं तायायक

मृदुमायायमावकावकयिरुहवाण्यया॥याधिवथाहमस्यानामसूकजीर्णनिमिकजा॥छिडचलमुखलिङ्गवित्तयस्यनिमित्तत॥वात॥लालितजायाधि॥सह्य
सतथावक॥वातयिरुहवाण्ययस्वकयाकाद्वददरुह॥कर्म॥सुदा॥सवकाहि॥याउकाहि॥नियोजित॥यस्यवसिन्जायायाहयैत॥लालितावृद्धी॥मीसदाय
यानीयादवृद्धीमान्सरुव॥लीयैकयस्यमानानियस्यसर्वोपधना॥विद्याहमासकाकलुसर्वदायकृतैरिषक्॥विडधिसन्त्रियातनय॥थाकमरुनिर्दिष्ट॥कृष्णानि
विद्वान्प्रथवाण्यकालिसविद्यालिय॥यानितानि यकीत्यालुमडंनिचव॥अथत॥कालानिरुद्धामा
मिद्यालिलकालकानातत॥मासावृद्धयत्थमा सयाकथय॥स्मृत॥विडधीनसिद्धितिय
यसर्वयुविषयीकावयलिया॥विचवनेयय जात॥लालितस्ययमादली॥॥कल्यानकर्मरुति
वाद्यथल्लिबाम्॥॥उम्मुलयावयदायिगिरुलाकाधसंयुत॥कायललयथसाकाणीतीनववकावय॥॥सर्वयालिक्रितासूद्रा॥कथायनउद्वृण्य॥तेववायुजैर्नते
लसाधयदुलयायुने॥॥क्रियेयमवमकयिरुहवाण्ययस्वकयाकाद्वददरुह॥कर्म॥सुदा॥सवकाहि॥याउकाहि॥नियोजित॥यस्यवसिन्जायायाहयैत॥लालितावृद्धी॥मीसदाय
गिरुलालाधलयतेलंवायने॥अलकासुतिवकायामयमवक्रियाकम॥॥स्वदथदुधित्तयन्नाजीस्वदनवृद्धिमान्॥सुखायुयनारुह्यसन्निधेयुयनारुय॥॥

॥ यस्य लिङ्गस्य मानसं उद्यमं किमिति किं तस्मात्काया लं वा वाङ्मनागवसाधितं तिलं रुच्यविवाद्या रं वली इत्यु मन कथा ॥ अतः तं लं कलाव ॥ कायटकाते
 लं ॥ ॥ सव नित्ययवानेयानां यकायमववा अर्धसाक्षि न द यदं गव ॥ उयदं स्या ॥ ॥ अङ्गुवे विवसं जाते नृययय विमं स्मिन् ॥ कमन जायतवर्हि
 तामुद्रु उलिश्यायमा कायस्यासुनव सौ ॥ ओ सर्वसं भिगतायिवा लिङ्गवर्हि विविताता लिङ्गां मिमि वायव ॥ सवद नायि विहिलाव इ स्थि किं स्या विवायजा ॥ लिङ्गव
 हि निदानं ॥ ॥ कायलयदरु क्ता लिङ्गवर्हि मलयतः ॥ वलयकालय संम क ह वा द्यावा युयदवा ॥ सखि विवातु सु ॥ ललयमकी न सव ॥
 ऊन ॥ मनः सिलालं सवमर्लू मासा द्वायन ॥ लिङ्गवर्हि विविताता ॥ ॥ उयदं गनिदान विविताधिकार ॥ ॥ अङ्गमा द्वा रसावृः
 दिथारिवा द्वा हि मूरवी ॥ द्यावयस्य जायक दगवा सो वल कजा ॥ गोवसस्य य संम ना मुकनिर्दु गुरुतुका ॥ यितुका ॥ पुष्पावाता स्या ह्या
 सर्वयिका द्वा ॥ कथिना विधमरु एवायना स्या लिङ्गवर्हि ॥ ॥ कैयत्त विवितं सव कुथितं नामत क्ता ॥ उम्बीकार कयिला का उम्बीवा सि निरा ॥ ॥ अलजाल कले
 यकामलजीव विवितं ॥ ॥ मुदितं विवितं य सु सर्वता वात कायतः ॥ यालि स्या र्हा संम ॥ ॥ स मूर विवितं कुरुव ॥ ॥ दीर्घवर्हि यीतुका दीयं न मव्यत स्या ॥ ॥ ॥ वमन
 कुरु स्या र्हा वदनायामरु व ॥ ॥ यितुका वितायायितुका यिरु ॥ ॥ लिलित सव वा ॥ यद्य कर्लिक सव नाह्याय सव कतिसा ॥ यर्ल हानि तु उय ॥ ॥ लिलितं ॥ ॥ क द्वा विवितं ॥

यल क ॥ कालन ॥ ॥ थकि मिदाह याके ॥ यली लिलि ॥ ॥ मियत सव न ॥ ॥ असा ॥ ॥ यदं ग ॥ ॥ उयदं ग ॥ ॥ वसा ॥ ॥ वसि ग्वस्मि क स्या दहिना ॥ ॥ मडुम ॥ ॥ वनि वव ॥ ॥
 त्यातय द्वा जला कस ॥ रुव इरु यत वायि द्यावानत्यर्थ मूर्द्धिना ॥ याका व ॥ ॥ ययत्न न ॥ ॥ मिम कय कया हि स ॥ ॥ यया लुवी कय द्वा द्वा गवला गुव द्वा र्हा सवमा
 कुरु द्वा कवाति र्हा लय सव न ॥ ॥ निवृत्त वलु विजानियव ग ॥ ॥ मग कव ॥ ॥ एतं ॥ ॥ ववातु ॥ ॥ मिग्वं सुवा र्हा सवलयय ॥ ॥ ॥ गविका ॥ ॥ नम डि ॥ ॥ सवम कालि
 वय द्वा क ॥ सवद नात्यल सिग्ने ॥ ॥ यलि कसं युलयय ॥ ॥ ॥ यद्यात्यल मृत्तले ॥ ॥ सस कु र्हा नवतसे ॥ ॥ सयि मिग्म मव ॥ ॥ के ॥ ॥ ये लि कसं
 युलयय ॥ ॥ ॥ सवय ॥ ॥ वृत्त की व ॥ ॥ कव ॥ ॥ मधुदके ॥ ॥ अथ वा यिसु जीतन कवायल व टादिना ॥ ॥ साला क ॥ ॥ व ॥ ॥ कर्लिक ॥ ॥ व ॥ ॥ व ॥ ॥
 ॥ कर्लिक ॥ ॥ सवायि स्या हि ॥ ॥ वृत्त हि ॥ ॥ सते ला हि ॥ ॥ युलयय ॥ ॥ ॥ अङ्क कर्लिक ॥ ॥ साल रुद ॥ ॥ अ
 विस क ॥ ॥ दायय ॥ ॥ ॥ निमार्जना ॥ ॥ कद म ॥ ॥ लज म्ब वटा ॥ ॥ इम वाटन ॥ ॥ यु कालना लय द्वा नानि कय ॥ ॥ ॥ वृत्त ॥ ॥ यिरु सुरुवा यदं ॥ ॥ ॥ ॥ ववा द्वा र्हा विडा ॥ ॥
 गं वना रि व सा ऊन ॥ ला का गम य निर्या सते लं कौ द द्वा तं यय ॥ ॥ ॥ रि स ॥ ॥ यिरु सु ॥ ॥ लिलि ॥ ॥ व ॥ ॥ युलयय ॥ ॥ ॥ वला ॥ ॥ व ॥ ॥ न ॥ ॥ म ॥ ॥ नि ॥ ॥ स ॥ ॥ व ॥ ॥ थ ॥ ॥ द ॥ ॥ रु ॥ ॥ म ॥ ॥ व ॥ ॥ ॥ उय दं
 गदय ॥ ॥ व ॥ ॥ य ॥ ॥ काया व ॥ ॥ क्रिया ॥ ॥ एतया सव याथा गवी कदा व ॥ ॥ लावली ॥ ॥ ॥ ॥ य ॥ ॥ व ॥ ॥ वायि वा क मा गत मा लुव ॥ ॥ तमया क ॥ ॥ तिले ॥ ॥ सयि ॥ ॥ कौ द ॥ ॥ युके ॥ ॥ युलयय

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

न नाशकं दाया मविद्यं सायामदीया उदय ॥ यत्तु कुरु कर्मो लि स र्ग सौवर्ग माहुरी यत्तु धिययुवीया लुजा यन्म ॥ विद्यार्थेन शा ॥ वृद्धोत्तरुययुष्यत यदा माशया मुखशतदा ॥ ज्ञानः
 साविद्रुधान विद्ययिना यधुवसुलसुला स्यावता वृद्धिरुय ॥ तय केना सा किमय क क वृक म क वृका श सो सुवा का स सुवा का ल लि रुज न य नि व ॥ विरु द सु र विरु रु का ध्या व रु द या पु ता श या
 दधामि सद नै रु उ क लु वि माग्ने ग ॥ किमिनिदाने ॥ ॥ तया म न्य त म र्थे द्वा द्वा त सु मि ग्ना मा त री ॥ सु व सा दि वा दि वा स र्थि यो वा स्या त मा दि ॥ ॥ वि व य यी ती क र म या ग वा रु य थ र वी ॥ वि ति रु त न्द नै
 प सि य र्थि म वि य नि वा ॥ रु क सि द्ध उ मा रु स्या कि मि ध्रा ॥ सु य व र्थि का ॥ वि ति रु द्वा य सै य क म न्न म न्द यि व त्त र ॥ दी यै ॥ नै कि मि ना ॥ य व र्थि क क वृ त्त र ॥ सी स र्के र्थि कि मि डा ता
 क म क स्य रु म सु ना यी त ॥ यी त मू ल म डा या या य चि क ॥ यु न्नी चि र्थि वा यि ॥ म स र्थ य ली रु ल दा पु सि य का थ ॥ स क ॥ स कि मि ना रु क ल्म मा ग्ने द्वा ना ति यि रु वृ ली कि मि डा थ ॥ ५३
 न ॥ ॥ अ स य ली द ल यि रु ॥ यि रु क न व य यि का ॥ उ म्वा ली वी र्थ यानु यि थ लि मि रु र्थ य र्थ ॥ य ला ग वी उ ॥ स्व र्ण यि व द्वा द्वा उ सै य र्थ ॥ यि व द्वा उ क ल्म स्या त क ल कि
 ॥ ॥ लि रु ली उ वि ति रु क कि मि ना न न मू र्म ॥ ॥ सु व सा दि ग ल वी यि स र्थ ॥ थे वा य या उ य ॥ रु ल उ य व वा द की वृ रु क म्पि ल के ॥ स मे श सि द्ध स र्थि ग वा मू र्थ यी र्थ कि मि वि ना न न ॥ ॥ वि रु
 ॥ ॥ वि रु ला या रु य ॥ य रु वि ति रु य रु म व र ॥ य य न द ल मू ल के ल रु ट स मू दा रु य ॥ या द ॥ य उ ल डा ॥ ॥ स र्थि वि या व य ॥ य स र्थि ना र्थ स र्थि य र्थ ॥ य र्थ कि मि ना न न ॥ ॥ वि
 ॥ ॥ य त म न ल द स र्क र या ॥ रु स र्थ कि मि य न्द ति व रु मू क मि वा स र ॥ वि ति रु द्वा र्थ ॥ ॥ यि य ली यि य ली मू ल सै र्थ व क म्पु जी र्थ ॥ व या पि रु क ता ली स य रु क ना ग क र्थ ॥ ॥ व या दि य ति

॥ गान् य र्थे सौ व द्वा ल स्या ॥ म वि या जा जी पु ली ना म क क स्य य लं य ली ॥ य डि स र्क रु द्वा र्थे व दि य र्थे व स र्थ त स ॥ स र्थ म क रु स या रु य या उ य ॥ रु ल ला रि व रु ॥ यि य ली य मि ति रु द्वा र्थ न न स म
 ॥ दी य न ॥ अ ली मि रु ली रु ल्म म द र्थ स रु द र्थ ॥ कि मि क रु वि रु द्वा र्थ स र्थ यी रु द क न वा ॥ ना त रु य व र्थ र्थ कि यि द्वा र्थ ॥ य नि रु द नै ॥ यि य ली यि द्वा र्थ ॥ ॥ य ल रु द्वा य ल द रु का
 ॥ य य ल द र्थ ॥ य थ मू ता र्थ ॥ यी ॥ य थ ग क क ल ॥ य ली ॥ रु ती क र व वा य वि का र वी कि मि ना स नै ॥ य र्थि चि र्थ य लि रु के ल त ल य ल द र्थ ॥ वि रु ला या र सै य रु र व पु य रु य र्थ रु व ॥ द वा र्थ
 ॥ य रु क ल वा उ जा रु क सै य र्थ ॥ सा वि द्वा व ति का रु त य ॥ धा गि व ल द र्थ नै ॥ कि मि सै रु गि र्थ र्थ ली ॥ य रु ल्म द र्थ ॥ वृ लान् ॥ का म ला या पु र्थ ग र्थ रु ग न्द र्थ स रु व ना रु रु
 ॥ रु रु सै रु वि व य ॥ य र्थे व ल य द ॥ आ य र्थि म रु ले म न ॥ व रु र्थि य र्थि व र्थ नै ॥ नि व र्थ या मि ग्ना रु जा या ता त य वि ॥ य ली ॥ सा वि रु द रु क ॥ ॥ व स रु ल स मा य र्थ व सा ॥ व
 ॥ रु डी ॥ त म्ब ल य र्थ या थ ल य रु का वि ना न न ॥ क रु ॥ रु रु स म वि ति रु ला रु रु ला ट क र्थ ॥ यी र्थ ॥ यी व रु क ॥ स र्क र सै म द नै ॥ य रु सै द द्वा ॥ ॥ य रु ग र्थ य रु य म न
 ॥ ना न नै ॥ य रु स र्थ स म रु ली ना नि र सि व रु य रु कानी ॥ रु गी यि रु य ना ल न ॥ य मू र्थ ना ति मू रु य ॥ रु न टी क रु त ल न या ॥ य रु का य रु रु य ॥ ला रु रु ला ट र्थी वा ॥ य रु य रु ज रु सि रु
 ॥ रु न स र्थ रु ल य रु वि ति रु स र्क रु ल ॥ ॥ रु स र्थ य रु य ॥ य रु ति नि य र्थ रु र्थ ॥ रु उ रु मू यि क र्थ य रु नै म न क म रु ल ॥ य म न ली ला ॥ कि मि य ना क ल्म मू रु व रु रु ली ॥ रु ल रु ल ॥ य र्थे सै रु य रु क ति
 ॥ वि ना न न ॥ म न ली ला ॥ ॥ रु र्थ ली मा ॥ रु ली रु र्थ नि ॥ य रु व रु नि सा नि व य रु व रु ॥ स मा स ता ॥ य म रु ना रु सा रु कि मि न जी ॥ य रु य रु व रु यी त ॥ ॥ ॥ कि मि वि रु र्थि र्थि र्थ ॥ ॥

क

[illegible][illegible]

नी॥ ॥यिरुगुतसुयत्रादायवृत्तेवलिना॥तशहत्यापुगुलोदेथगीदीरुगुत्तुवादिहि॥गलशदंयुतिनस्यसूच्येनविरुथा॥कदाचन॥मिथसूर्यवर्जनाभीरुगन्दनी॥इहीन्द्रया
 यवावकेकुयोत्तरिक्तसादिम॥३॥लमानवलेबालीवृद्ध॥नेवन्निनी॥मकस्यमवित्रयायेसमनायव्याव॥उद्धवृत्तेदायस्ययिरुलादिगवृत्त॥अदीलमासाये॥कलयास्य
 य्यो॥उद्धवृत्तसकसम॥धर्मवमनेदिर्न॥यवनमावर्तव्यावृत्त्यथावृत्तवा॥विषयनस्ययाकस्यसक्यामादिकनवा॥मकस्ययवय क्कमदनाय्ययाम॥मिथि
 मनेथाईवकयिरुद्वयय॥ललय॥मिथिनासि
 नी॥दाडिमाससिद्धानियामलेकवायिदायथ॥यटा
 यिकानिय॥मेलकयिडला॥वद्विष्णुकालयुक्ता
 ममासममा॥नैयर्थसकीनयुथलससितालाउसकुलि॥कीवमम्यलेधनीयननयसिकामता॥ममलीवयताकाधोसक्यामधूसैयती॥वकयिरुय॥सार्थदाददेन्यदायरा॥आनव
 कनिद्वयियडुमुलिकाउन॥विनायला॥ममकोडवकयिरुद्वयिथ॥वासाकवायाकलमृत्तियिडुला॥अजना॥कीवृत्तकधवा॥यिवाकोडयगनिजकायिरुला॥अवगममदीमासी
 सायाविद्यमानायाजासायाजीवितस्यव॥वकयिरुकयीकाणीकिसर्धमवलीदहि॥तालीसद्वृत्तसैयकयय॥उडलवासकखरसी॥कद्विरु॥सतमकखरुदवकयिरुडि॥॥आ

३७

वकमृहीकायथाकाथ॥सेकेराशकोडाइ॥कवस॥सवकयिरुनिवृहली॥ ॥आतावरीवरीवासाकाभयसुरुवकी॥यायथकयिरुद्विसय॥लद्वयव॥ ॥यन्दनलुयवा
 ॥कद्वकासडवालरु॥उधुवीबालकला॥विद्यलीकोडसैयती॥कद्वचिकउयडक॥हका॥लद्वनायद॥ ॥यिथयिरुद्वकायमाजमार्दनसमव॥उडवयलानासासवसमधुयय
 ॥हवृत्तयिरुलासा॥मायिथलीसक्यामधुमादक॥सन्नियाता॥थेवकयिरुद्ववायद॥ ॥अरुलीकसमसमझावडा॥वाहवमाससायीती॥सलयतिवकयिरुद्वयदिडुकमुद्व
 ॥वकालीयकला॥धयद्रकयियडुककद्वलसैयती
 कसयी॥ ॥वृषस्यवसीकडाड॥वैरुयिथयडय॥
 ॥वगिर्त॥वकयिरुवद्व सिद्धवयययागवाहय
 नीमता॥ध्यानीवकयिरुकेरुकिरुलातिसावडि॥ ॥॥॥ममका॥अनिसक॥नीलमयली॥कलरैय॥वीकस्यमावमधुवयशक॥वटयवाहा॥उडवयडा॥वाखरुवमववा॥न
 निसमरागानिकवाय॥स्यकल्यथ॥॥वविर्तमधु॥सैयक्यायय॥॥॥॥वाचिनी॥सुसमा॥वकयिरुदि॥समत॥नियडुकि॥लारुगभिरुनि॥धामउडवधममचिनी॥यथीकावालासागु
 खाद्विगुल॥॥॥॥कवायाविद्विथया॥गदीया॥विजित॥कद्ववकयिरुनव॥ममता॥वता॥लनयय॥॥॥॥यय॥सायवमैयया॥मगवी॥वृत्तय॥॥॥॥उल॥उलवा॥ससक्यामादिक॥सैयय

कविउविगन्धर्वगर्लसूतम्वा।डाकारुलनीरीवोवलायामधुवनवा॥सुदृष्टया॥ वर्यावकयिरुजितसाधितययशयङ्कइसलेकाभययथासर्ववगभरुना॥मधुनाद्युनिसलिअव
 कयिरुहवागली॥ ॥वासकसुखसायथासकधायिरुदित॥रुसाममधुनालिअवकयिरुनिवृहना॥स्वानसुखसुखसुथाकुकलाइ॥दियभित्त॥कथितसुखतलीत॥सुखीमखित
 मत॥इवलायावताउवा॥मकाहूयाडतावज॥तावत्समालनिदियरुवगिरुवावनावि॥करीललाकमधुमिधुतनययीयज्जयय॥कमशा॥सुथानिरुन्याकधिवकता॥थेकाकाडना
 तामधवायिकर्क॥कर्कणिरुलोहूनानानिनिमित्त
 लामयसुया॥सुदीविलिअतयिव॥सुलीत॥सलर्क
 थदसुक॥यकडाकयदाजमानसयिरुसमायत
 ॥यावावतसमानसिवाद्युतसिद्धसलर्कजा॥रुदयलभु
 वासकीडेसयिब॥मृनालायानाकिंलुकासनया
 रुथा॥मधुकसयियुनालदयद्युथयुथका॥यथा
 गान्धारिननन्दति॥मागवकुयवातुयातयातलुलासुना॥सिद्धयवागुडीलूकेवाङ्गीतकदातिमना॥यलुभिवद्युतरुह॥युयिअमामलकी॥सुवित्तायवगदन्ति॥सुद्वियलयना॥सान
 रुडलमासुदयसलर्कनानिकयाययावा॥ ॥डाकारुसकीवद्युतयिवडासलर्कवयकवसीरुतीवा॥नस्यदातिमयुथा॥वसाइवोरुवाधवा॥अमाकिउ॥याला॥अवानासिका॥तिव
 ॥ ॥वसादातिमयुथसुद्वोरसममचित॥अवककनसायत॥यथावससमचित॥याजिताना॥यल्लिर्कवि॥वमयिदा॥ली॥ना॥वर्क॥यकुरुलुदनादतिकिमरुत॥इवोरुयाका

५८

मयुष्यकोनालाकामलका॥सुखसननस्वीदिनरुययलुवृत्तयरातसुआरुवामाडुर्निरुकि॥ ॥आमावमावटानकासर्कवारि॥रुत॥सुखदावरुवद्वीनसीनासागतदसुक॥आमा
 की॥ ॥इवोरुसकीवययमजि॥सुसलवालका॥यासामरुत॥थानीलवन्दनमधुकादय॥यशकला॥कसुकेवन्दनवडनीदय॥कावा॥साविवायतिकलवतयकाविके॥द्युत॥सुमडा
 विरुलुलादकसीयुत॥इवोरुयासुखसनरुसाधितमृदग्निना॥तयानेवमता॥वकीनावनेनासिकागति॥कल्लेरायसगठुतकसकल्लेरायवली॥वकसाविनि॥सासियुवयतनसधियामद
 ययुवद्वेववकि॥कमानियुवली॥यामकुययवृत्तव
 दनरुङ्गययाउय॥यिरुडवविकायवविसुदिविन
 वीदिद्युत॥ ॥न॥या॥आदुसवासुलुगा॥यायाक
 वासय॥अरुवारुडलतयद्युतीननासुसायव॥तद
 वीवकयसुयवृत्त॥सुखरुवतितस्यालुनाग्रिवेधववा
 यथा॥लुआदिद्युत॥ ॥न॥ताववीदातिमतिमिदिर्ककाक
 थतकीववउमु॥न॥का॥न॥नानाविवध॥लतडकयिरुकेद्युतनिरुकि॥न॥ताववीद्युत॥ ॥न॥तावयडुमूलाना॥वलयसुद्वयमनी॥तसमकेरुव॥कीयुद्युतयसुद्वियायय॥जीवकय
 रुकामदामरुमदाममचित॥काकालीकीकाकालीमृद्वीमधुवनथा॥मृदुयलीमावयली॥विजवीवकवन्दनीसर्क॥यामधुसयुकी॥सिद्धविधावयद्युत॥वकयिरुविकायवव्यातवकगदव
 य॥का॥लसुक॥बुदातवीवाडीकवलीमूरुमी॥अङ्गदार्दणियादार्दकयिरुसुमृद्वी॥यानि॥लकी॥दार्दवमृदुलकी॥यिरुड॥न॥ता॥गा॥विरुन्यालुकि॥नमूलमिबडमी॥न॥ता॥पी॥वेद्युत॥ ॥इवोरु

[illegible][illegible]

कावयादि॥ ७ ॥ कावयाजीयतलाथोयश्वकासदातिमः॥ सशोडशकवाडवीकविकृद्विदीयनः॥ विवृष्टमधुसयकाबहादातिमसकवः॥ असाधमयिसेरुनादकचिमक
 शनथ॥ शिग्रहलानासादसदशमविचविंशानियिल्लश॥ आदयलेयुतयलेयुक्तयमाबनालसा॥ विठलेयनसदिममनखकासबरीश॥ अद्य॥ अऊनसकसद्यादीह
 यैकलहंसकनास॥ ७ ॥ कलहंसकाजिक॥ ७ ॥ दयलदातिमादधानथाययल्लयरी॥ गिरुमधयलेयकैवृष्टमकककावयन॥ दीयनेवावनेध्वयौयोनससबकासनु
 ॥ ७ ॥ दातिमादीवृष्ट॥ ७ ॥ यियलीयियलीनी
 यिक॥ कालदादिमवृकासयमानीवासनसं॥ शानंथकैदंसवविचसाव॥ सिनायलाचवैकैरना
 आनादधलमू॥ ७ ॥ शीद्वैवृष्ट॥ ७ ॥ गाली
 मदानाऊमादायुभा॥ अऊदातिमयादनुविदिन॥ असीनाद्वोयुन॥ ७ ॥ दबद्वनविकावशदनकायाविर्नदीयना॥ अल्लाभानविमृचिकायुतकजाधसकिमिद्विद्विहाकी
 शाकवानिसावमृदमकनाऊनीचरीकिल्लि॥ अयूरियुजामनीवद॥ ७ ॥ अयाभासदासाउव॥ ७ ॥ कथाकुरुयमानादीवृष्टमगयिथाऊथ॥ अऊलायकैवकययैऊना
 लीसकैशुरु॥ अष्टीकाजीवकैआनीदातिमवाडेकाविक॥ यियलीयियलीमूलचवाचिकुनावा॥ मविर्वदीयकैववृकासवाधनसं॥ अऊमादाऊवाअवदवदाकरलीशः

११

क॥ वाचनेदीयनंदरीशसकाशादवीय॥ ७ ॥ अवाचकविकिसाधिकाल॥ ७ ॥ दक्षद्वयेयुथकसर्ववीयसावाचनदिकिश॥ ददमयकैरिभयनासालकणमूयन॥ अ
 निद्वथवनिमिष्टबद्धलवलबनि॥ अकालरागिमाउध्वनथासासाऊनाऊन॥ अमादयादधधजादजीकिमिद्विभनानायाधायनसत्वायानथाकिद्वनमधुन॥ वीवशशुड
 निवाभा॥ अऊमूकासिनावला॥ अदयमाननंथवावदयनसुरुऊन॥ निकयनवनिदावाचदिवकयवविनद्वलासासा॥ अधुयसकालवणननू॥ अऊध्वानयाननवमीपाय
 वेलक॥ अह्याध्वयीतामूय॥ अश्वीदीनारुलिका
 अनिलाचुद्वेयनीरुद्वय॥ कीलसायाचुद्विबनिय
 निदाने॥ ७ ॥ अमासथ॥ अरुवाहिसद्वोद्वो
 नद्वदिनिवाव॥ अलव॥ अिययऊनसैयूकैयलनवा॥ अनाकावाडकीयीन॥ अद्वियनसकव॥ असासकयूवावाशसयीकससासव॥ अवायुमधुमिष्टसायकैमूली
 अनीयिथ॥ अनाकविचदसमूलकयायसिद्धायाववसायवनवमाकवियुसा॥ ७ ॥ अऊद्वि॥ ७ ॥ अऊयियासामूय॥ अमूद्वानावकिनानायनभाऊमानावी
 नद्वि॥ अऊविमंरुनिकैवमैवयिभवमसाद॥ ७ ॥ अिलोविकद्विनिदाने॥ ७ ॥ लाऊमूहममूवकनायवायुद्विदिनामयूयनावद्वियुजाया॥ अयासूयमिधु

य
उ

मिकुवसययाहायुससलायुरुवममृदिमृयाया॥वचनस्याकमाउलयथायीमलकीवधा॥विधत्माकि कसंयुक्तनचुदिनननिवृत्तन॥वचनेकांथं४यंयं४उयीनं४संकां
चुदिनाशन॥रुबीनकीनीरुपुंठुवामृणालवावालेकंनवर्षदृष्ट॥नपुलायकसंकोर्द४कल्कयीभातमोउथन॥कयाथावृष्टमृससलाउमयुसकेवा४चुदिनीसावृदावृका
वर्ष४सयुकासिन॥काथ४ययं४उयीन४संकां४चुदिनाशन॥रुबीनकीनीरुपुंठुलिङ्गामाकि कसंयुक्त॥अधोरावाकृभयोचुदि४शीमुनिवृत्तन॥युवुनीनिसचिह्नलाय
थल४कथिनंयिथन॥काडयूकंनिरुत्यामृचुदियि लसुसंरुव॥धिनविचनमयुकीलिकामाकि कवाः सकृत्सायिआडसिनाथकालाउसकविधनथ॥
यिरुचुदि॥ ७ ॥मृदायामाधुवेकदयभकसः लोहयोडकआयस॥ ७ ॥करुचुदिनिदान॥कृ दिक्कृदायाउवमनंसयथाउथन॥नायसयय १२७
सिधुयैवाथनिसकृण॥धिन४॥धिन४मालिजाः धूमयवमृदि यदिका॥नृ४काडिकययकयय लादिसंकां॥विदिहृदिहृलाविस्वयुंमयुयुनंउ
यन॥विधुदयलवृष्टुमीमथवा॥यजवमी॥सजामवदवृष्टुंमुकायमंककटकसा॥हृवृल्लादामयुसंययुकीलिकामृकदृचुदिविनिगृह्यार्थ॥ ७ ॥करुचुदि॥ ७ ॥
मृलावियाकाकेविवाकृष्टुश्वसयमाकृयवलायसक॥चुदिविधायलवणमनीलसाध्याकृवकावमनानृणासा॥विभयमृगवृष्टालियाय४॥नंसिमेकदयभादमः
मिउत्सन्नथायसमाविर्गंनंथायंसधुयेनवसकाया॥विद्युत्थासममयवृष्टुं॥हृत्सासकाधादियुनयसक॥ययु यनकमिदमिधमनयादिहृवासाविनाशम

मि॥ ७ ॥थयायुधननक्रियामथाकारांसत्रियाभनसमयवृथा॥वाहाकृदायापिवलायथकृकुवाकि याधरुविटयमयु॥यिमाधवीरुलीलाकाशकृवाकृयलासिना
नादत्वामयुयलंवेवउउवशालिलकथा॥सायसजालिनीयीनंरुकिचुदिविधायका॥मयुवडाकवकाड४मदिनाटाठिमासुसा॥यीनानिवाययथाशुचुदिमत्यकमृत्यना॥
शीकलसायुपुयीवाकयाथामयुसंयुग॥थयचुदिउथशीममृवागपुलासुना॥मलालवसडाकृडावकालमवालाजायियकुयवचनयियलीना॥वृष्टुनिमाकि कसिना
सदिनानिलिकाचुदिमिकरुमाकेमयिरुजानाः ॥ ७ ॥नलादिलंद॥ ७ ॥विधायचुदि॥ ७ ॥ कालामलकमयानामाकि काविलीनायनाकृष्ट
मपुलभाथनचुदिमासुनियमि॥मन४धिलामाग धिकायलानीरुपुंठुकिथिमासुवडापयुका॥लाजास मांशमयुनावलीनं४चुदियकासमयकुमृष्ट॥अध्व
थवल्कीमुष्टदद्यानियिर्गजल॥मजलीयानमाथ ॥चुदिउयमिदुजंथन॥जानावस४कयिकसायिय लीमविवाविवा॥काडयूकं४मयुनलशायं४चुदिमु
ल्वन॥ ७ ॥जानीवाही॥ ७ ॥भावमलमजाजीधुयियलीमविवाविवा॥युकीयंमयुनालरु॥धुधुचुदिनिवाय॥७लाजा कयिमासुमाठधिकायलानीक्राडारुयाकि क
दृष्टानाकजलकाना॥आमाकिविल्वनिहृ४यीन४समयुसकेवा॥निरुंकिचुदिनीसावृव४धन॥वादि॥उयासयलवृष्टनाकाडंदवाशुमी नालाउवचनवृष्टुयिचुदेनीस
वनूरुयव॥यद्यकामृनिमानीधनवचनथायथन॥कल्ककाथरुविम४युसं४चुदिनिवाय॥७॥हृत्कृविधमनंदाहृवृवृयवी॥ ७ ॥यद्यकादीयुन॥ ७ ॥कः

याका मथदि वाकवृद्धिस्मृतिवाग्निपुत्रासा नमं नलीला कृत्तवाधाकि। अलस्यनिद्राविदुषामुद्रश्चमधनमनैयूकधामधन॥ गच्छदगमादयुक्त
 श्वयश्चरवाधदरु कानिचनुषसस॥ कया चयुक्तानिद्रादि विमानि मथम नृनीययूकधामधन॥ वडुथेयुमधुमूरु रुद्रावा विनिष्कृया। काया कायविस्तरागमनाय
 यययामन॥ कामदका रुद्रागच्छेदमा॥ दमिववायव॥ वद्रुद्राथमिदामूरु काको वस्यवडा कृति॥ निरुक्रमको ननु वमद्यं निषयमानैयूकधामधन॥ मायादयकवृ
 नमायिका रं नायादयवायिषा जीव रुद्र॥ कुल नरीननयिवासिन नक्षत्राकारि नयनवदुविनः॥ न। वायामराथाथयविकिन नयनवडाथाविदु
 ननवायि॥ अलस्यमुरुकावदभा दथ॥ साजीपू क नयथावलन। कृतिनयनविश्यामानः॥ कथामद्यवि विविधाविकावान्॥ यानाथययवमये ८२
 दि यानजीपू थायिवा॥ यानविनुममूरु केनयावेः॥ कामिलकल॥ ॥ दिक्काश्वास रुद्रमः॥ याश्चसुलयशी युलायुश्चवान
 यायमदा ॥ वृद्धी वावकहलासेनयाश्च ॥ वावविद्यादिनयविनश्चक यायमदा । रुद्रवश्चदभादानी सावविउमेशविद्याद्विनेवपूसायि
 लयायमदाह्यथ॥ रुद्रविद्यायजवायिसर्वलिङ्गमदाह्यथ। धृष्टाश्चथारुद्र कनारि वनायुनायविनुययिलुवथनरेववावकश्च॥ लिङ्गयवस्युमदस्यवदंनिस
 सा रुद्रकजाशिरसिसन्निधुवायिरुद्र॥ माया नकथमथयि विनिविदायायानेकवासममृग रुद्रिलकनानि। दृष्टावृत्तादकरुसंयवेकलधूमामृद्वावमिहवधि

वाकजनयदका ४४ वृद्धसुवानविहृनविहृनयुनय॥ नमानविनुममूरुलं लयिलनवीवा। दीनारुथायममिशीनममयदाका॥ नवल्यरावमयियानरुनरुऊरु जिह्वः॥
 वृद्धकमसिर्नवथवायिनील॥ यिरुनयस्यनयुनकविचयकवा। दिक्का कथावमथयथयाश्चयाश्च॥ शुलाकाशरुमावयिचयानरुनरुऊरु॥ ७ ॥ यानाथययाः
 नजीपूविनुमनिदान॥ ७ ॥ मद्यभावेवृत्तं वाययककिचिनुजलाचिन॥ कामयायदा नवीवारुयानाथयायद॥ थाऊयनममूलं वासदादिमासमथयिवाः
 लवलीजाललव॥ यानाथयसुखयद॥ शुके शावकुलाशुकी कयली कदायकी॥ मद्यकावाक थकाथयवलाथमदाह्यय॥ यिरुथथामयवः॥
 वेगकथायमिधमिदं दिनं समवृषाकवमि ग यिमिकुचसयुगाटाकविनकलाः॥ किनमयिलि नवमव॥ अनीयमूद्रमिशीवा
 दातिमामलकाचिना। दाकामलकवहवकव रुद्रमनवा॥ यानेवाका कदाहृनं लंयनं यथाः॥ वलं॥ कल्यथरुयालनयुसानवसावविदियी
 लका॥ थनकादसिनायकं मद्यमद्योदकं यिदु॥ यिरुयानाथयथार्य॥ सर्वनश्चक्रियादिमा॥ ७ ॥ वमनंदवासेयकामद्यनालयनंमन॥ यानेवाकाकरी
 रुद्रं लंयनं यथावल॥ दीयवादीनयुयिथंमद्यं समादिन॥ यिरुलायावलावाथथायवृपू समश्चिन॥ शुक्कमूलकथायुय॥ कलकावामयूकट॥ यवानविहृ
 मिथाकाकाहलाना कृत्तानिच॥ शावकुलमका र्थं ववृकासंसाधनसं। त्वला मविचादनं शकं वा रागाथाजिह्व॥ वनरुलवणमयूसा अग्निमदीयनयवृ॥ मदाह्य

०
५

विविनाकनशाधथरु॥ममोद्याभाथायस्मिभासा सकभासमहास नववथयोधुशीरगीधुयुधरिना॥ ७ ॥दाहनिदानविकिसाधिकाव॥ ७ ॥मद गानावायाय
 स्मादेन्मावसाधिता॥मानसमनवदधनउमादधनि निन॥नककसउहासायिथाधवथमृष्टि॥मानसायमहा भिसयधविशुकी
 यज॥सवायवृद्धनकर्णमदसैजाविरुंवि॥विकदइसासुवि॥ऊनानिययधलीधवयुकद्विजानाउमाद उरुव
 सावविधिवाशी दसामि मभाचनानियमाहरीयासनवस्यधरा॥वीवीवस४ सवयवि वयया सादिय॥ सोसुनिगी
 मन्त्रवायविधयजथादनानि॥याकधाकाशमकल वपुनाशुकी॥वल्लुनिशक्य॥यालभिकउमाः दनिदान॥ ७ ॥अजीक विशीनरुअधि ७४
 नैयिरुसुदी॥उमादमकधमनामकसाहदि विनैयुवदशुकयान॥अमयसैवसविनग्रावा४ शरुऊना इवनायुवा४युवाय॥दानऊवाडि४
 लाया४यिरुवेरायिरुवनसुलि॥ ७ ॥यिरुउमादनिदान॥ ७ ॥संयव॥मधविधिरुसायासिधममनिसयवृद्धवृद्धिस्म यरु शिर्ष मथकनशदि
 कावा॥वाधुममथमथाचक४४नावीविदिक विडा॥वृद्धि॥वला॥वकनयादि४क४करयकला॥ ७ ॥कशभादनिदान॥ ७ ॥
 ।सर्वोपिकयापिविधकिनादकविकमक वदितसिनस्यधनवाधश

भादिक कायसुसुलीतयविसवनीयकमूलीक वायुकी रंदशासवदन।सुखासुमवतार्यवाचकतेलविज्ञानता।अविदाहोरिबुत्रेयथाधिकेसमूयाव७।अनिहिन
 रुतातस्यसन्धिविधयकाविका।मानसमाभास४कीरसयियुयलताऊन४वृहनवानुयानवदयैरुगायजानता॥यसीकीरससय्यीकीमयवाधसाधित।नीतलवाक्याय
 कयातरुगयिवलव४सद्यतनास्मिरीरुवलकाणाधूममऊनी।सन्धिमूकस्मिरुयैवयिधरुकीवलवायुनशयातववातिकावृद्धिदुउंवागिउउंकी।अयककीरस
 यूकअस्मिरुऊस्यशरुली।वसानमधुयामऊसि ताकलमधतशक्तिनरिन्नूतास्मीनीसन्धना मरिगरुव७।वृल्लयवलसंथाक घृतनाईनल
 कया४।रुगसंभनमायातिलीटकीरदितानिनाक डिक्कनसयिधलालीवल्ललदिती।कगविऊदि तसार्ममस्मिरुऊयलयनी।मूलं७।मलवृन्दाया
 ४यीबामासवसनउ।वृल्लकयगिसकदस्मिरुऊ मयारुति।अरावृल्लमधयूकमस्मिरुऊयहयिध ७।यीवावाधिरुयसम्यकयकसावनिरुहती।
 असीकारुलवल्लल४सोवीरतेलमिलित४७।रुगारिरुतवृजाधमथवाधधातिकथयथा॥ ॥अरावल्लिकयाध४सर्वेवते४समानिक४।उल्लयुमु
 लनाथाऊरुगसन्धियसाधक॥अरागुमुल॥ ॥लाकास्मिरीरुतककुलाधगन्धूलीकतानागवलासउउले४।संरुगमूकास्मिरुजानिरुकिदज्ञानिकुयोक्लि
 यमानि॥लाकागुमुल॥ ॥अलादिसमधुव४यकमाक्यथायती।यानाऊगस्यलखीजाण्णकावलवालनी॥अलाआदि४ती॥ ॥वाजावातिलाकवावाधयदस्मिरुऊ

ल।दिवादिवा॥ययिदा कथया द्युतु राविर्ता।उय सकयानु रुवय न समधनाम्ना।ततक्षी रंयुन यीदा ॥सूत्रा विवृत्तय ॥कका ल्यादिष्वडक्षामेक्षिष्याणां विवातथा।उय
 सङ्गवसामान्मासुनदायुसयन्त।गतयुष्यासंयुतं वतिलवृत्ते लुया जय ॥यौतनाथे कतुर्वा सवगन्धे ॥४९॥तयय।वडुमु।लनययसाते लंयाययतयून ॥५०॥तामहुमतीयनं
 जीवन्तीतगर्भतथा।लाक्षययुचजीकं कतथा कालान्धविवा।लंयंकक्षीरलुहामनका समधुलिर्क॥यिष्या ॥५१॥तात कक्षीरयायुका नोयधनिय।नतदिदिययले लंसारु
 विमुद्रनाग्निना।ततले लसदायधंरुगानां सर्व कर्मसु।आकयकयकृष्णतल्लुधतथा ॥५२॥मन्यासुमनिवायागकक्षीरलंरुनयुका।वाधि
 यतिमिषवेवयवृक्षीयकयंगता ॥५३॥यथयान तथासु।जनस्थवसिष्या जय ॥५४॥यीया कक्षीर
 सुगन्धियियदर्शन।गन्धते लमिदं नासा सर्व वातविकाजनु ॥५५॥वाजा रुमहल्लर्कं वाहासव
 मिष्यात ॥५६॥गन्धते लं ॥यथमं वयसि जातं हिरुगसूकरमादि ॥५७॥अत्यदायस्य जना व कालं दुसमणीतलं।यथमयसि खर्वमाससन्धि ॥५८॥स्त्रियारुव ॥५९॥मध्वदिगुल्ला
 साइलमजिगुनथा ॥६०॥नक्तिया कंयथरुगुतथा यत्नवृक्षय ॥६१॥यकं हिस्यान्मिवासायुतद्विद्वक्कुलसिध्ति।यवनादिरिधाता द्वापूलमयदकर्त।नीतासकायददाध्वरिवक
 याजय ॥६२॥सवर्णस्य तु रुगस्य वलं सय्यिमध्वरुव।यतिसायकयायुल्लयं रुगवदाजय ॥६३॥वातवायिनिनिदिष्टान्धरुनगायिया जय ॥६४॥लवर्णं कतुकावर्मभू

कावदी आन्युमुत्र ॥ दकी हट तथा मूलं गच्छि कं गज विद्यली ॥ खलाय गकं वृक्षं मयामह यलं यथक ॥ गृहीयाद्दध्यावाली कं वध्नाह समीमि ॥ मधु वस्य वधुहस्य यलानां यक
विशति ॥ कृत्वा वृक्षं ततः ॥ ४ ॥ अं खरसे र्वावय कृत्वा ॥ कथात्कटवः ॥ वाजवन्धातुल समुद्रवै ॥ धात्रीरुल वसयसं मृगमसं गुली तथा ॥ दत्वा विद्यायथ तावद्यावत्सादत्तमागत ॥ खाददमि
वली मखाय विहाव विवर्जित ॥ वातधुमा इव वृक्षमस्यिरुसदावृली ॥ धातानुमद रं गुली गदलीयालु कामला ॥ विमिनः ॥ निमि कृष्णानि सीरु स्त्री त्वमत्रावकी ॥ यथातय रुवावागः
यवयिरु कुरुद्रवा ॥ तान स र्वात्राण यथापु रास्वभा
व ॥ न सद्यु डितां विद्यकमग्निना संम कय विष्णमा
डिद्रयुक् रं ववा ॥ चिगकं मुरुकं रं वयला ससुद्रावृषि
मायेयालु धार्गहली मकी ॥ आसवातं तथा गुली वयथु विषमद्वरं ॥ अथ गुली ॥ ॥ अक्रकस्य यलं रं कं मिलित्वा विरुलायली ॥ काविकस्य यलं रं कं गुठया रं वयधली ॥ वकी कृत्वा तु रं
यीशु सार्थिवा रं उनादिरु ॥ यावकादि समा लायु ययुक् रं मलागुली ॥ निरुकि सवृष्ट ला नि यविष्णमा रुवानिवा ॥ गीतता यानुयाभन नारुकाये विवायला ॥ गुजुक्रक गुमुल ॥ ॥ मित्रयीलि
त कृष्णालु गुला रं रुद्रमाकृत ॥ यस्माद्व सपुत्र लयवदाम कावरी ॥ दाव्याया क गतं तस्मिन् वृक्षे कृत्वा निधा यय ॥ दं दं यल कला ॥ जाडी पुली नाम विवस्य ॥ यली ताली सध्ना क वातुडा

नयिरुगुल्ययः कथं गुरुकथिनसंस्तनगुठमीसावराणय॥ अविबल्लिखेवस्वयनाः वविद्वरेः विद्वमानं जानीयायुत्तममुयनादयः॥ यद्रुयुयिठितामानीवदिउडास्य
वना॥ ध्यावावस्तिविरुगुयः धनवायनी॥ स्वयमृद्धसंवावायि सर्वदाययययतादादः रययकर्मवकर्मवययय॥ ययकेः धनसंयिधुदेसमयुतिकर्काजलदगगुल
साध्यायमानवयुयले॥ यकेरागस्तिनयनं कल्लेसंथाङ्ककारिकीयाहिलीकरेकामुरुगुयमाधुयलला॥ डाकातामकीवीवीडीवनीवन्दनात्यलीविसस्यमलकीनाकेकयस्यद्युत
य॥ यलानियथगृष्टाकेदत्तासमाकवियायय॥ यिरुगुल्लेवकुरुल्लेविसय्येहिकीद्वरीदडागकामलाद
थ कुरुविदावीसंताववी॥ रुययकायहिरुलासाधयत्य
लसंमिती॥ कलाटकयादः धावसमासलकीस्यव।
उ सिद्धीसंकेतादयादिकी॥ यथागालिरुगुल्लेवस
व्यागविकावन॥ डाकादिद्युती॥ ॥ गालिगामुगद
ठिमैसितायथार्थेहिकीगुल्लेवलातायकेयाजय॥ यिरुगुल्लेविकिसा॥ ॥ लीनेगुल्लेविसंमयसनकेसंयुवलीयखयनंदिवावागुल्लेवसुठु॥ करुसीरुवस्यसर्वसुहृन्निवयास
कस्य॥ रूमिहिलीतद्वरगासुसाददत्तासकासावुविमेववालि॥ लेखीगुल्लेविकिभावनतर्गुल्लेवसुयालिकरुल्लेवस्य॥ करुगुल्लेवनिदानी॥ ॥ अहयनारुनास्यदताद्वसेसनवस्तिरिधयागे
धवातगुल्लेवकेः ध्यागुल्लेवमुयावये॥ तिलेवगुल्लेवसीवीरुसर्वयायविलियव॥ ध्यागुल्लेवमय॥ सखासखदय॥ रुयक्॥ यकेमूलीकृतीतार्ययवालीवागुलीवसी॥ करुगुल्लेवियवलात

१२५

जीर्णमाधीवमदव॥ यमानीरुल्लेवकेविठनलवनीकृतीयिवसीदीयनंवातमृगवञ्चनलामनी॥ यियलीयियलीमूलवद्यविठकनागरी॥ यालकेः सयवक्रावेः द्युतयसंविद्यावय॥ कुरु
युल्लेवसंयिधुनिकुल्लेवकुरुल्लेवकी॥ गुरुलीयागुवागद्यायादकाणदवायद॥ कुरुवयलद्युती॥ ॥ सथावकायलवलदधमूलद्युती॥ करुगुल्लेवयस्यल्लेवसहिदुविठदाठिमै॥
वायादिद्युती॥ ॥ रुलातकादयलीयकेमूलीयलाभिनीसाध्याविदाविगभादिमायाधालिलारकायाकावलायद्युतययियलीनागवाववा॥ विठिद्वसेन्धर्वहिरुयावसूकविठंलटीविठ
कमधुकीसमायिक्काकर्मसमारिषक॥ यल्लेवययथा
दत्ताद्युतीयसंविद्यावय॥ नतदत्ताटकद्युतीकरुगुल्लेव
अगुविदाविगभाद्युयकेमूलमितिउखयकेमूली॥ रु
लाटकादिद्युती॥ ॥ रुदताहिरुलादकीदधमूलयली
वयल्लेवलीवाकीरकेकरुकायय॥ सिसिद्धामिहित॥
अरु॥ सकेदकरुगुल्लेव॥ करुवातविकावययुल्लेव
धिकी॥ मिधुकसुद॥ ॥ जलडावियकवीविधितियरेवारुया॥ दन्त्यायलानितावनिविठकस्यतयेवव॥ अरुगावलावकुवसीयुतमविधय॥ दकीसमगुठयुतीदद्यालुगुल्लेव
ता॥ तेलार्द्धकुठर्वेवहृतायायुयली॥ वृष्टिनेवाद्यलिकीयियलीविष्वरुवड॥ तलाधलदवद्वततस्मिन्तेलसमीमधुक्रियवृल्लेवलीवेकीबालायककाना॥ अतालदयली
लीडाजल्लेवकादवीतका॥ सुखेविविधितामिह्यादयवस्मनामय॥ गुल्लेवयथुमंलोसिगालुवागमवायकी॥ दडागगुल्लेवकायकामलाविषमद्वरीगुल्लेवलीरुनिमानादम

विशयावातनाहनी। ५

۱۳۵

[illegible]

ज
क

नदायका ॥ दाहो विठ्ठल थरिथा धवध्वसराद कृष्ण सुत्र वन्दनानि ॥ दाहो मिमन्त्रि रूला सया ॥ या ॥ अथ मुखाध्वनथा स्वदद्याय वान्नी नान्य रुया गुडूची डंडू शिवा
खिरक सय यत्नी ॥ याद कयाया ॥ करुम हिना नोद ॥ यादि द्याम धुसैय युका ॥ करुम रुवि किस्सा ॥ ॥ उणी वला धाऊन वन्दनानां मूणी व मूसा मलका रुयानी ॥ यटाल निम्ना मल
कामृता नो मूसा रुया यद्रा कृष्ण कानी ॥ लाधा मूकाली यका नो नी निम्ना ऊ नानी निनि ॥ या लानी ॥ निवी धवा यो ऊ कणा वाली सिय रुय डाल लकिं सकानी ॥ अथ सुया दा
अनयत कानी ॥ यिरु मूसा व द ॥ यादि द्या ॥ कयाय
माया ॥ वात युम रु कियो कयो यला खाय यय त ॥
तानि कोड ललि ॥ क रुयिरु मदी ॥ रुवा क ॥ न रु
दलानि ॥ यिखाई यतिका कृ त रुसा खाई ॥ कस मरु न ॥ सु डू रू सि या रु क मूल य सम वि रा चित ॥ यी त रु म वि धन म धु म रु वि ना य ॥ ॥ गिरु ला व रु धं डा कृ कया
याम धु सैयुता ॥ यातानि रु कि रु नाई युम रु नियत नू ॥ ॥ द्विजा व द्वि कयाय न या ॥ कृ ट रा म र्था तिका कृ य के स डू रू स र्थि म दी यि व ल व ॥ या ॥ निवी ध व ॥ रु य नो म र्था तिका
करि डू की ॥ कयि द्या नारि य का र्थ रु सि म रु यथा ऊ य ॥ ॥ गिरु ला दा नू दा द्या द द्या थ ॥ कृ ट ल म रु रु ॥ कृ ट न न दा द्या द रु ल य रु वा थ वा ॥ गु डू या ॥ रु व सैय था म धु ना

१४०

सर्वम रुजि ॥ ॥ निष्ठा कल्क युता धागी रसा वादि कान्चित ॥ मधुना गिरु ला दू रू म थ वा सर्वम रुजि ॥ ॥ वा सा धन निम्न यटाल य र्ग किका मृता वन्दन वत्स क ह क ॥ कलि डू दा
द्याद रु न के गुणी रु निम्न धा गा वि डया वि रीती ॥ तथा य व का थ म था धा ला य यि व दिने यु व दि न क या या रू मि य क ॥ य त ला रू दानि डू कं ता थ स व रू व रू दा रु ॥ सु रा ग मा ना स रु
रु क यि रू नि रु कि स रू न य ना म या ध ॥ म रु वा सा दि ॥ ॥ यि लु ता गु मु ला म्नी क रू ले ल य ला रु की ॥ य रु कं गिरु ला य रु म रू डा ॥ ज ल य य ॥ या द ॥ या रू के य रु के य रु न य ला व धि
प्रय ॥ ॥ क रु गिरु ला म रु वि ठि ड्या गि क लि डू
मूल के वा स रू स रु वा ल रु ॥ या ॥ दा नू व ला
ता व नी ॥ व या स रु व रु ॥ व व ल स का रु रु ती रु
स मा यु कं य रु कं स म रु रु व ॥ ला रु उ म रु या थ म लि डू म रु नि रु रु थ ॥ ॥ क रू क रू वी म धु क गिरु वि रु के ॥ स म रू शि स रू क या य या रु यं यु म रु नी वि ना य न ॥ ॥ रु ल
रि कं दा नू नि ॥ वि णा मू रू नि का थ नि णा क या यी यि व ल का यी म धु सैयु कं स रू व म रु मू स मू लि त ॥ ॥ वि रु का द यि ता खाई निम्न मू रु स न या ॥ रु रु य ल म धु ना मि रू य म रु
य व यि रु कं ॥ ॥ म रु द्या व रु मू ता थ स मा ॥ स रू व मू धा उ य ॥ य वा त म्ना ल य रु क य म रु व वि ल य त ॥ ॥ या ॥ या ॥ रु रु व रु रु रु ॥ ना का रू व रु व रु स न ॥ अ रु क यि रु ज रु रु यि

यालंककुरुद्वी। मधुकमधुकं लार्धवर्णं याविलं याविरुडकं। यथालममृष्टीधदकाविरुडका। कवउरुदलावकुरुनाटकुरुलानिवा। वतानिसमरुगानि शुक्र
 वृक्षेनिकावय० नालाधदिमिदं वृक्षे मधुनासरुयाजय० रुलउयं चानूयिवरुनमृगविषुधति। नतनविंशतिमरुमृगकुरुनियानिवा। यसमयाकियागनयितिरि
 ५५यजायत॥ नालाधदिमिदं वृक्षे ॥ अथस्वाइमवयका॥ नालाकारवयधन॥ आसातकं यियलाकं यियालंककुरुद्वी। मधुकमधुकं लार्धवर्णं याविरुडकं। यला
 ममृष्टीवदमृष्टीकुरुद्वी। विरुलाधक
 लरुय० विरुलाधकविद्वानुततामृगविषु
 नसामनियितकानवजायत॥ अथस्वाइमवयका
 लवलायकाकुरुय० चानुलामकी। नतनयविरुलाधककर्मकुरुयथयिती। यमरुवातयगमधवात॥ ललितमवय। मृगघातमृगद्वीमरुवातुनालय०॥ गमरुगुति
 का॥ ॥ वृक्षारुजनीमृक्षेवदवयिवयव० गयकि सुसवीयामाविठिअभातकीउठ॥ वयासागुयभातका। रुमीदकीउठ॥ यि। नयकाकाययामरुयमरुयसस
 अवी। यव० स्वायनासथ॥ अथकुरुक्षीसाहित॥ काकायनमरु॥ ॥ गिरायाक्षीनितायाक्षीयलानियलिकानिवा। अजीकलुगमावीरुमीरुलमूलया॥ यलंवाउ

यद३

ऊतयलंलासमधुवृक्षेती। यमरुगुकमरुनाय॥ सवागकुरुय॥ मवी॥ मृगघातिमायागुलायोरुमावती। जीर्णकुरुविरुला लरुना सागिवाउठ॥ गिलाउठलरु॥ ॥ वि
 कुरुद्वीरुलायाधमृक्षेती। यमरुगुकमरुनाय॥ सवागकुरुय॥ मवी॥ मृगघातिमायागुलायोरुमावती। जीर्णकुरुविरुला लरुना सागिवाउठ॥ गिलाउठलरु॥ ॥ वि
 लंजीवककेरुयुवाधनमवय। अवाकवयमालकेसुअवृक्षेउकावय० यवलाकुसलानावनविद्विगियाविकी। यतलेमधुनाकेययककेयला। अरि० यमालकेमादकके
 भादकंययरुसुधी॥ रुकुरुयनालययगुगानयमरुनि
 जीनागविरुलाक॥ विरुलाकसुययलंयमाती
 अयानयकातवीसर्वेकुरुयमायय। यमरुविगितिके
 नागनी। दातिमाडीयुतं नासाअधियायविकीरुते॥ दातिमाडीयुतं॥ ॥ कुरुकायोउठ॥ ययसवय॥ यतं॥ ती। सीकुरुद्वीरुलधीमानवउठ॥ ले० उलयव० तनयादाव॥ य
 नयुतंयसुवियायय० विरुलायासाविठिअन्यथविरुलान्। काध्यानीमूलानीमृक्षेकसुल॥ यवय। कलिअरुतिसवोलिअरुवृक्षेनिकावय० अडमवकटाउठ
 गनेवृक्षेगिनायय० अरुमागयिव॥ यत० ललिरि० ययसा० रिते॥ यमरुमधुमरुकेमृगकुरुगद्वी। आलस्यंयानुवृद्धिअकसुवागवि॥ यत० कुरुयवनिरुनासा

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

दय द्यौरुगुअइवानिनिहंतिवद्विऊरुतहियंसी॥यूननेवाडीघृतं॥॥यूननेवाविउकदवदायय(क)यलकायहरीतकीनी॥कल्कनयवदंलमूलनायघृतंयिव
 (ल)थरुयलरु॥यूननेवाडीघृतं॥॥सविउकाअनायवानियाल॥सदीयाककुयलवतसासा॥वित्वारुलंदाठिमयावसूकंसयियलीमूलमथयिववी॥यिसा
 क्रमागालिऊलारुकनयकाघृतंयसुमथाययऊरु॥अलोमिगुलमथयथु॥ककुनिरुकिवद्विथकातिदायति॥विउकाडीघृतं॥॥कीवघृतंविउककल्कलिय
 दध्मगतेसाधुविमथनाके॥तऊघृतंविउ कमुलगर्क॥॥तकेलसिद्धंथयथुमुगी॥अ नीतिसावालिलगुलमभदातद्वनिसम्बद्धतथव
 डि॥विउकघृतं॥॥मालकंकाथकल्काथ कल्कागीघृतंयसुविवायय॥अकऊद्वन्दऊ (ल)थंदिदायवकाथारुति॥मालघृतं॥॥रुल १७७
 यययलानाशरुयलसायउयली॥घृतंय रंययद्वतदत्ताकायउरुली॥यकेका॥रु वसिद्धं(ल)थ(क)तत्सुइरुवी॥रुलयद्वघृतं॥॥
 यमविवाययसयि॥यकेकालउलकया॥यूननेवायाकल्कनतयवी॥(ल)थनालन॥यकेकालघृतं॥॥धुसुमूलकवधोरुनागरीविउकववादायवासीमरुम
 धालि॥यकातेलावसुऊनी॥स(ल)थनालयालुविउकालानुवधनी॥धुसुमूलकाडीघृतं॥॥सवतसा॥कीववताक्रमानीवव॥समीडिउलतामूनली॥सवधनाय
 अकवालकालिउयिरुयदरुसुसतेलयाकी॥यतसाडीघृतं॥॥यूननेवायउसनालमूलंघृतंययत(ल)थरुययदि॥यूननेवाघृतं॥॥यवानकलेकाकालादण

॥(ल)थलकवधवन॥सुकावकलत॥यायारुलकावाहिवारिली॥ययीद्वधमनीवृद्धिकथातिरुलकायथा॥डावाधमदामुगनस (क)धगद॥मूगनुज
 दिनिद्धुदुदुदुदुवली॥वातयू(ल)द्वितिस्य(ल)वृद्धावातादरुठक॥वातवृद्धिनिदानं॥॥यकाइमवसंका॥यिरुडाकायाकया (ल)दिनिदानं॥॥करु
 (ल)थागुउमि(गु)सकलु(ल)य(गु)ववी॥करुवृद्धिनिदानं॥॥कसुसुटवृत्तयावृद्धिलिङ्गसवकऊ॥वकवृद्धिनिदानं॥॥करुवल् (ल)इसालरुली
 सीमूउधवललीलस्यमूउडंसडुगद्धति॥अ मारुयू(ल)द्वितिवतकारुयातिसवकमुइ मध॥स्यावृत्तलडंरुलका(ल)या॥नीतिकरिफिया
 नीततायावगद(ल)॥धवलवलावाध विषमाऊयवलेनी॥कारुले॥इरितारुधुडानक वयववृत्ता॥यवनाविगुलीकृत्तथनिवध॥क(ल)
 ॥७॥कुराडंकलसंधि॥यकारुधयथुय दाउयक्रमा॥सायमूयवृद्धिमाध्मानवृकसुस वतीववाय॥ययीतिताक॥खनवाययानिसध
 यनतियून(ल)धमूक॥अनवृद्धिजसाध्मायवातवृद्धिसमाद्धति॥वृद्धिनिदानं॥॥ऊनवृद्धिमृतय॥धवृद्धयसुयवऊय॥यगघातंयययानेमेधुनंतथा॥अया
 यमथधानमूयवासीगुलिवत्तादितावातवृद्धतिवृत्तमिमाउरु॥खिन्न(क)वयधनाययाययीतविउवल॥सकाववायिवरुलीमाध्माववउसमूवी॥गुसु
 लुतेलम्या(ल)मूगलविधवनी॥वातवृद्धिनिदानं॥विउकालानुवधनी॥मदादिकमदीकागिवसिदि॥समूयायव॥यवनंमधूकंययमूली॥नीलमूल्यली॥काव

॥ सायाठने
 ॥ १८ क काङ्क
 ॥ २५ व धि र मा द ध
 ॥ १६ क ग मू उ ल स र यि

नयस्त्रिषुकाञ्जुलातवि
मकं सान्वर्दवना
इत्याते लै॥
सुराग्यावाह
यन्नायकानामन
नस्यादात्तनखेवदि। यारुति
सर्वधेतलमयवीगतिना
योः कायेनाल्लयाष्टराः
वेथाः मृगान्सिवाद्वादनी

[illegible]

नकुमालस्य यत्कालि ननु लानि वरुमनाया सयगालियदाला विषया सुधाद्वरुपिडमधुमिधुमधुमंति कथारिणी। यियकुकुलमूलकै निवृत्तस्य त्वगवव। ननु कवि कलाग
 यत्तयसु विद्यायथ गदय वलयममं धाजी विष्णुधन। सद्यद्विचवणाना नु कलं जाडमिदं पुरुं॥ कवउं दिष्टं॥ ॥ तिक्रमद्यलकं सथिम्मा रुतिकमथयिवा। अन्वयवानवनवयवा वि
 द। यियाजयत्सदा॥ ॥ यियकुआतकीलाध्वं कदलं तिनिगत्तय। ननु तेलं वियकडी विडधिवलययन॥ यियग्मादि तेलं॥ ॥ द्वियकं मूलाजिरुला कलकृत्तव ताद्यवमूलक निगययका॥
 तेलं तिलं पुजमत्तद हि १ सिद्धिं हि तं विडधे गुल्मपूत ॥ द्वियकं मूलादि तेलं॥ ॥ विडधिविकिसाधिकं व१॥ ० ॥ नकुदाया कित। अथ वलानौ यद्वल
 कली। यदि धं स्यात्थ कदाया मागं लुङ्ग सुधा। अथ यउतं विरुया गुक्। अथ लकूलेश विष्णुयत कथ तयवायकायकादि निष्पद्य॥ विषमं ययत वातात्य
 लव्यं विरं विरं। करुडं यिरुवत्साथ वका गलुसमूह वामन्दाया ताल्य। अथ लकाथिनी त्वक सवर्णता। मन् वदनता वायि। अथ नायक लकूल। दद्यतं दुरु। न
 वकाय। लवयय शत। यी यालिका गलान वदस्यत द्विद्यतं तथा रिद्यतं य वगं सुलद। पुने वयताद्यत। यीद्यतया लिन वान १ सू चीरि विदुद्यत। अथ १ याया विवर्ण १ स्यादं दुस्माना य
 द्यद्यत। आगनं ययन सुनं। निरुषी कद्वि व १ न गकु दात सवर्ण रुवका आनय सिव ॥ कवकु स्यात्तु विष्णुवययमान स्या लकूल॥ वदनायन म १ अथ लादिता ल्यन वा वन १ यादः
 रुवावली नानु ताद १ क १ मू १ मू १ उयडवाना ययमा निमता स्युटने त्वव। वसा विष्णुय सवा व १ स्या १ अथ १ दुलि यी उत। यय स्या यी उयत कम कम न व पीठिता रुका का रुव

वेव (॥) धर्माय कलकली ॥ नरुनिलाइरुजानया कयिरुं विना नासि करुणायुय ॥ तस्मात्समस्तयविया ककालयवनि (॥) धरिहियवदावे ॥ वदं समासाधयथेववद्विद्वागीवित ॥ स
 नरुति यल द्वात (थ) वययाया विनिगितादिमो संनिवाया युवखादती ॥ अमं विद सुमान के संमा कक के था रि व क ॥ जानीया लरुवदे था (॥) धरु सुख वरुं य ॥ (॥) धनिदाने ॥ ॥ दिधाव
 ॥ १४ य विरुय ॥ १५ नी रागलुरुदत ॥ १६ धाये रा दतया र ॥ १७ सुदि कत ससुव ॥ १८ कठिने संय (॥) मन्द (॥) धाम रुज ॥ १९ उद्य सु ति ट (॥) धा व (॥) मा व त कायने ॥ या व व ॥ ॥ रुसा मारु क
 उ व क द द इ इ स व द व ले १ व ल यिरु क रं वि द्या क न्ध सा व व द ति के ॥ यिरु व ॥ ॥ व द यि क उ न्ध मि (॥) धि मिता मन्द व द ना धा य व (॥) धि स क द धि व का वी क
 रु व ली ॥ क रु व ल ॥ ॥ व क र क र ति व क दि लि य १ र रु द न य ॥ व ग मं स ज स ख द (॥) त व ल स्या न्ध य ड वा ॥ धी तो मे रि न व लाल स ख सा ध १ स ख व ल धा स ध वि १३७
 दि ना वि रु य रु सा (॥) धा रु य ड व १ गु ले न य रु या ही न त रु क के व ल स रु त १ य ति य या ति इ स स क मा क ल गी वि व रु त १ इ स व (॥) धि ग न्ध दि १ धु लि रु वि
 य र य १ डि क त ला रु म ड ध १ मि (॥) धि वि ग त व द न १ स व रु ति ना नि वा धा व १ ल धा व ल १ ति स रु त १ व ल स धा ति व धे न म ड र्वा य ग रु ति ॥ या रु ह यि व नि १ धा क रु सा द न्ध य ल स्या त ॥
 क द्या ट व र्ध य ति मा य स्या क रु द व र्ति ता १ रु ति वा ध यि उ का व ना या रु ती ति त मा दि स १ उ द व लान सं ग न्दी म सून म व र्ज व ली ॥ व रु व र्ध स म त ल स म्मा य र्द वि नि र्दि (॥) १ ॥ धा य का या १
 या या मं म रु धा ता द जी र्ण त १ रु र्वा क्ता धा रु या द्या यि व (॥) धा व र्ता यि दी र्थ ॥ क रु नी ना वि व रु र्वा नी या ठि का म ध्म रु ति ना ॥ व १ १ रु रु न सि धा नि य मी या यि व (॥) धा व १ ॥ व सा म क रु म रु ज न म

उ ल रु के य १ स व १ आ ग रु ज व ल १ सि (॥) धा व सी रु वी म द्या गु र्वा क रु म न १ य द व न न व म्म के १ रु ग (॥) धि ग न्ध दि म्म रु र्वा ली व १ १ स र्ती य व म्म स र्सी रु ता १ रु व र्वा त व व द ना धा द रु
 नि वा क व र्थ व दि १ नी ता ध य व १ ॥ द रु क व दि व र्थ रु व रु त ध नी त ला १ याल मी स रु य (॥) धा स न्ध के वा व क य ठि ता १ य रु र्ध य रु धि र्वा व ल धा य र्वा र्ध म म्म स ॥ क्रि या न सि धा नि य य
 व ल व रु य द व ता वे १ र्म व रु ल म ना य १ ॥ व ल नि दाने ॥ ॥ आ दो वि द्या य न क यो दि ती य म व र्म व ना ॥ रु ती य उ य ना रु रु व रु धि य ता न नि क्रि या य र्म मी
 (॥) धर्न क यो १ म र्म मी वा य न मि रु क ॥ १ रु क मा व ल स्य क १ स य र्म व रु ता य र्मा मा रु ल रु मि म न्ध स व दानु म र्म व र्ध ॥ रु दि मा व व र्मा स्या य ल या वा त (॥) ध
 रु ॥ क रु का डि क र्म यि र्म मि र्म १ ॥ रु ट क रु व र्मा य र्म व रु ना ग न्नी वा त (॥) ध वि ना स नी ॥ नि वी यान रु द या य म्म दि स्या काला स द नी ना ॥ त रु ली य क मू ली व य ल
 य (॥) ध ना ल नी ॥ वा त (॥) धा ॥ ॥ इ र्वा व न ल म ल के म ध्म र्म व न न र्था ॥ नी त ला ध ग ल स र्ध य ल या यिरु (॥) ध रु ॥ य (॥) धा इ म्म स रु रु व र्म स व ल ली १ स स
 र्थि के १ य द रु स्या (॥) ध नि र्वा य ल १ य र १ आ ग रु ज व क य व ल य रि यू डि त १ व न न द य मं डि रु य र्वा य र्म स गे के १ ल त (॥) धा रु रु क ल या व क य (॥) ध ना १ द रु या क रु ज मा वा (॥)
 ध नि र्वा य ल १ य र १ वि र्ध वि र्ध वि र्ध यि रु धा वि रि ता वि धि ॥ यिरु (॥) धा ॥ ॥ अ रु ग न्ध उ रु क व काला ल व ल म व र्वा ल क नि का ध ग न्ध य ल य (॥) धा (॥) ध रु ॥ य न र्वा द रु सि रु द
 १ मू ल म र्म व र्ध ॥ क रु वा त रु त (॥) ध ल य १ क रु वि नी य त ॥ क रु (॥) धा ॥ ॥ यि रु त ग रु य लार्ध य र्ध रु व कालि ता १ व र्म रु य र्ध ल य न (॥) ध स र्ध रु त रि ता ॥ मि र्म मू ल व ल वा र्म मि र्म

ली॥ ॥ निम्बयहति लादनी हवृत्स्यन्धव माद्रिकी इत्यवलयनमनालयः ॥ १ ॥ धनकनया । वसुकाई नविका कार्यखलाय निम्बयलोः ॥ १ ॥ तिलवर्दिनिम्बविष्टलाया इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रु
 लंदातिमनजनीमर्दिखातामुप्यिका । धनीवसुसमयिष्ट इत्यवलयः ॥ १ ॥ कल्कः ॥ सर्वयते लमिलितविविक्तरत्नानि ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर
 धुक्कमीसववलयवाक्यदनेमर्दि । अयामाग्नेयगन्धवतालयुगीतथववाउक्तादनेयुगस्यनकाकात्यादित्यथागलशसुलवीययुक्त्वावकलीमावटकथयकाशयुधलातयलायनगम्भी
 ॐ ववलययायेनी । मुवि विन्ददलसुहृत्सुलेष्टोऽसुविल्वः ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर
 रु इत्यवलयः ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर
 उ दादावदनावकाथवलाभावातारुवाशमयातिला ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर
 सायिवा । सायिवासरुतेलनकास्यनयवि ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर
 युष्ममनाकास्यसूक्ष्मकालीसविकेशमासाकृत्वाप्यिवाकास्यइ ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर
 क्वावि ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर

नन्धन्याववदना । यिरुवक विद्यागहनगम्भीरा ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर
 सार्ककयोत्तमद्रुमे इत्यवलयः ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर
 मास्तिवयवर्ण । सुवसादिबसे ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर
 यमुनसंमगुययादिति ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर
 ननावि ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर
 न्धवकावलाविवा ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर
 सलो ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर
 सगिरुलाकसुमानिया ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर
 लताद्वी ॥ १ ॥ ॥ सनानीसुवमासानावसुनीयुक्तेमिष्टातावक ॥ १ ॥ इत्यवलयः ॥ १ ॥ कद्रुस्यहं विषनिम्बया समेतागद्वयवलयनालनं कथितं ॥ ॥ गम्भीर

शमासायवाहनीमकलाधमिदंतेलीरुते॥धनवायनी॥जातिकारीतेली॥मानुष्यावालककलासबसनवकुसिन्दुगुगुलविषादकसिद्धकानि।मूलमूलाकै॥३॥ईकव
 वायाधुगुईजडासरुलवथलाजलीधननिमामयकवावलिनावलेतेलयवल्कदुमरुव।नालनाया।अरुद्रभाजयतिरुवदयमययययतीरितपुईसरुजाध
 नाडी॥कणतेली॥॥॥नयूरालाजलकीयिउकयामथवसानसिधुवैशविद्यामयसमाजैकदुतेलसाधितेविधिव॥वियवीतममूसहेतेलीइयवलेतथानाडी।वक्ररुयज
 अ ॥॥धमयधरुका४समनयति॥वियवीतम ॥मतेली॥॥॥गुदस्यलादितलाजलिबिउकस्यमूल ॥तथेवलययुद्धकथेवकसा।जलेवियाद्यानिन
 धु वावमकीयादावसधुयवहितेली।मायानिधाय ॥वउयासनाम०स्यसासधुवकधेवसानखटकि। ॥ननयामधुवाधविषस्यकल्की।ननमहाविय ॥१०२
 दि वीतमलकलुतेलीसरुइयवलेमदिलेविमाधु ॥रुकि॥महावियवीतमलतेली॥॥वलाभियवि ॥कामुलीयिहतेलविद्यावथ॥उलातेलमितिखा
 तमस्यज्जुलकान्वीतेयवलानिदृताकविद्वयागलुवसदा।शरुनार्थरिषकतेया॥विहानाययाजय॥उलकघृते॥॥उथेवकायलपार्तकाथय॥उले॥रुसि।तत
 यादावलेधनतेलयमूविद्यावथ॥कल्की॥कथेवमार्गेया।रुकीमदिकासुवा।नतेलेकथेवस्यवलेसाधनवायनी।नाडीययनमास।ऊनिउथगन्कीलका॥उथेवते
 ली॥॥इवीवससैयुकेतेलकम्यीलकनवा।दावीववधकल्कीनयधनवलयवाहनी॥इवीतेली॥॥रुलावृत्तुल्याऊगुगुलवटकीरुतशानियकु॥विद्वध्यावल॥॥॥

नवायनी॥रुलागुगुल॥॥विठिआरुलावाव॥॥गुगुलनाम।सय्येवावटिकाकृताखादवाहितकाऊने।इयवलयवीमरुदुसुनाडीविधधन॥वटिकागुगु
 ल॥॥अमृतायतालमूलरुलाठिकदुकिमिद्यानी।समरागानावृत्तसर्वसमागुगुलरागधयतिवासवमककाखाददकयविमानी।यउवलावाता॥कगुल्लादव॥॥॥॥
 आगध॥अमृतावटिकागुगुल॥॥रुकिदुगुलामूरुविठिआमृताविकी।यतालिययलामूलरुद।यासुवडावृवा।उम्वयुयकवववीविधालावजनीद्वयी।विउसोवदुल
 कालेस्यधवंगजयियला।यावततानिदुल्लेलिताव ॥मागलिगुगुल॥कालयमालगुटिकारुदयमधुना ॥सरुशकालधसतथा॥धमधमसिसरुगन्दी।
 दसुलेयाधेपूलेयकुकिवसिगुउवृडा।अमृती ॥मूरुदुका॥अलदुहिस्फदावली।विद्ववायसुखा ॥नारुथायरुतवतसा।आनारुवत॥धनादकसु
 वृक्षीयानिव।नाडीदुवला॥मद्वीयमहाश्रीववगथा॥ ॥सकदिनातकाहयगुगुलेकथिना ॥कनाः ॥थागसर्वदायनिसुदन॥सकदिनातिसुगुल॥
 ॥॥सआवल॥॥तनुमिग्वदुवो॥उयममिदरुकि॥अमृसीतक।रिसरु॥सुमाग्नेन॥विवावगा।नियविध्या॥गुदरुकि।तस्मात्सुदद॥धिकावृज।रुव
 कि।तनुयुयदवद्वमितिदुविधममिदग्नी।तनुयदिवरुमितिमार्तयुयाततयुय।यगातिहालि॥सुदासीवदरुवदनाधि।वायला॥मतिरद्वी।समाग्नेमनवग
 टंतालवलेसुसितयवलेकलयकरी।अतिदग्नेवग्नासावलवनेगावविध्या॥लिलासायसचिसिवायादनेमतिमार्तवदन।इवकारुयियासासुद्वी॥सायदवार

वति। वल्लभस्य विषयः। यदुक्तं यदुक्तं विवक्षितं रुचति॥ ॥ वल्लभतादिरुचनवक्रिदम्बवदुर्विधः। सुखं प्रियतयनं कार्यं मूढतः। थायधी। नीतमूखी वीरदम्बं क्रियाक
 योरुत यूनः। यकालयन। कासुणीता वास्य कावयः। अग्निदग्धं तुलीनी निमासा इत वृत्तं नीतला। क्रियाक योरुत कालं नीतं तुलकलुनेः। तिन्दुका सुक मायेवोद्य
 तमि। १४ यलययः। सम्प्रदायः। उक्तं। यन्दनं। यकैः। सामर्थेः। सार्थिः। यायूकैः। यलयन कावयः। क्रियाक। यथा कर्तुं मज्जावक मधुसिद्धं। लङ्ग मिथितं लयाः। गद्य
 अ घृतमय रुचति यावक ऊनित वली सद्यः॥ ॥ अतः धूम यकस्य लयाः। निरुक्ति वली॥ ॥ अथ सुष्ठु स्य यवत्कली रूपा तथा ना
 व ७। अथ ज्ञाते लीरुक्ति मयि गलु यदसाधितं। लाली सुल कर्तुं लगता लयाः। यावत्कली रूपा। दग्धं यरुभ्रं रूपा तं यल यनादयिवाः॥ ११३
 ति रुचति सिद्धिदग्धं दाहं रुथा दुर्लभं। अथ विदधिवी सार्थिः। मनी लयनादिकं। अग्निदग्धं वली सार्थिः। यज्जीत विवदलः। सार्थिः। यावत्कली रूपा
 ऊघावा विनाय विवदिकी। लयनं तेल दग्धं स्यादिति दग्धं विना लनी। अकिञ्च मूढक उद्यमिदमा। तनी रूपा। ललुब कि रूपा दाहो दा। था वाचन यायूतः। मूढकैः क्रीन
 सिद्धे गद्य सार्थिः। यानं रुतं वायितायितं। लनिन उसा॥ ॥ मधुसिद्धं मधु कलाधु मूढं यतथा। मज्जिः। सार्थिः। केन्दनं मूढा यिस्ता सार्थिः। विवदयः। सार्थिः। यामग्निदग्धं। नी व
 लयायन मूढमै॥ मधुसिद्धं यद्युतं॥ ॥ उरु रुचि उ मज्जिः। मधु कलाधु कर्तुं कयितुं क मूढं मधु लाजला मूलमववायि यल्युतिरुलाये वनिम्यय नैः कायिकैः। कल

यथा घृतं यकं यद्विगलितं ययः। यलदय केनिकु स्य सिद्धं यत यदाययः। लाङ्गली कं घृतं नाम वल्लभा नी वायनं यवी। अग्निदग्धं वि सार्थिः। वि कोट लूटा वल्लभं वा।
 विवाळु मूढं यवना जीमर्मा लिनं यव॥ लाङ्गली कं घृतं॥ ॥ सिद्धं कवाय कला सायाटल्या कर्तुं लकी। दग्धं वल्लभं पुजा सावकारु विस्फोट ना लनी॥ याटला ते ली॥ ॥
 यन्दनं वदलुङ्गा मज्जिः। मधु कं तथा। ययोलुका कर्तुं यत दग्धं तकी तथा। एतं तेलं विवदयी सार्थिः। की वयतु मूढं। अग्निदग्धं वल्लभं मूढं नाडा यनयवी॥ व
 दनाय यमकं॥ ॥ अमृदधिवल्लभं कं वमा समं नूयवा विजी। की वयतु लियाना निवलिता यवि व ऊथः॥ ॥ अथ यदग्धं माता यव लसर्धं वसासि
 नः। अउ वा विवधं वल्लभं मज्जिः। मधु कं तथा। वाताम ममूढं दग्धं सार्थिः। ययुति तं वली। कयो स दारु कलु ई वल्लभं विविति सार्थिः। का वयतु य
 ययुति तं दग्धं वल्लभं विवधं कम्पिलकं विजीई निववा दाहो तथे वय। यिष्टा तेल विवदयी वल्लभं निरुचयवी॥ कम्पिलकं तेल॥ ॥ वल्लभं विव॥ ॥ स
 द्या वल्लभं निदानं॥ ॥ यत नयति तं यल्लभं याउ विमदग्धं यरुति विवदयिवाते विलय वन क विधम वरु रूढ मूय दिला नि॥ मूथा तनिदानं॥ ॥ रुग्णं समा स
 द्विविधं कृता लका लुच सार्थिः। वल्लभं तं सार्थिः। उल्लिख विवदयि विवदयि तं कृतिर्ये क वति क्रिय मधुस्य यदु। यल्लभं कृ केन वल्लभं नाया वरु सार्थिः। विवदयि तं सार्थिः।
 सामान्य तः सार्थिः। गत सार्थिः। गत सार्थिः। उल्लिख सार्थिः। यथः सार्थिः। समकोः। विवदयि तं वाति रु वावृजा व विवदयि तं वरुजा व निखी। विवदयि तं यार्थिः। वरुजा व नी वाः। तिर्यग्जन तं नी

गभयणी सावताली सैधन्यकमध्यधिक॥ पुरावसाजनः दीविहर्तानकवधरावाडजोतककाललङ्कातिकारुली॥ डादखरू वई हर्षे यलाहं सस्मितं मृथका चमलरुवलहीमा सर्वद्या॥ धयनाने॥ यउयउययेडवतणबासु विनासपअक
यिरुवासुयिरुवक्रयकुसोडायावदि। इनामिवादवमुरुगरुत्थाकेमवातिका वातरुकवपूलवयमरु॥ क्व बागद॥ असायया गामनुऊरुत्थमयि गहुति। वस्रययेनऊडी तयूरुमाक्षियसार्थिया॥ मायकं बकि कादृहा यावदाधीवमा सक। स
सम्बद्धवदलेसयमानैवानुयसुर्व॥ ककावयूर्वकंसर्वययत्र नविवर्जय॥ अमुताश्वयर्व लाहः सर्वयययुक्त॥ अननसर्वदाखखाउनसनिनाग्रथा॥ अमुताकलारुवसायलश॥ ॥ भतादवी किन्नरुकाद्वयमृष्टिकावला। तालमूलीवगा
मगीठिरुला यावयसुथा॥ राजीयुक्वमूल केयुथयके यलानिटा जलडा। वियकवमयुगागावलाभिती॥ दिवायधीरुतस्यायिमाक्षिकनरुतस्यवा। यलहादकादीयसूक्ष्मलारुस्यवृ। पूर्त॥ खपुउत्यद्युतेदययलयलाउसकंदुध॥ ययलासुमयय
मुटिकाया कवइवा॥ सुस्तर्कमधुनादर्थपुराणा उऊनवर्या॥ आविठि
ककंततशगवाकी गानुयानकेसयमानसवसाययश॥ पुत्रदुष्प्रान्नया
था॥ आनारुवकभावके श्रुयितं निरुक्तिवावडुयीदुरुलदुयीमझ
आवापुतवीमासानियाऊय॥ नातिकलययययानैसनिवलेकवासुई। पुखमूलपुणीनायदा लदुरुतीरुली॥ रूलैवारुंकु यकारुवई रखाइदाडिम। ककावयूर्वकययमानुयसुर्व॥ वईनीयावि। णयनखपुखाईयकईता। लाराक
दगायियुतेनादिकियकत॥ खपुखाइलारु॥ ॥ यइयिरुहयथाकं वलिबककेरुयडी। वकयिरुहितं तप्यडीलकरुहितकेय॥ ॥ लिखरुि कनिवागनेमूमसुर्वको॥ माकययिय हुकेरुडाउनावकयेलिक॥ यटालनिस्वयईय
ीवादयादितायावावतकयाठाशा। एनरुविलासथा॥ ॥ सामान्यदिसया। एवडुइसकिसमीकत। ययोईनरुयिरुदोयागोवातादिउगद॥ ॥ वक्रयिरुनिदानवि। साधिकयश॥ ॥ वगवा। धादयो। धेवसारुसाहि वमासना॥ डिवा। डायतय
रुडवउथया॥ करुधुभा नेदधिरेनुइयूसवल्स॥ अतिवायिनावायिकी। एतस्यनकवा॥ कीयनधातवसर्वतत॥ सुस्मितिमानद॥ ॥ साकसरुसेधवताल॥ ॥ अवसाग्निमादमदयानसका। निडा॥ ॥ वरुविद्याकिरुवनिकि। वायिडकाधुक्रु। रुवति